सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" समय बहुत बलवान होता है, जब बदलता है,
तो कितने सिकंदर, समुंद्र में डूब जाते है...!!
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-303 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 24 नवंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

50 साल के सबसे बड़े संकट से जूझ रही पोल्ट्री इंडस्ट्री, फीड महंगा होने से उत्पादन घटा

जमाखोरी पर लगाम लगाने की मांग

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

देश की पोल्ट्री इंडस्ट्री इस समय अपने पिछले 50 वर्षों के सबसे कठिन दौर से गुजर रही है। ऑल इंडिया पोल्ट्री ब्रीडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष बहादुर अली ने वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पोल्ट्री फीड के दाम आसमान छू रहे हैं, जिसके कारण गांव-गांव में पोल्ट्री फार्म बंद होने की कगार पर पहुंच गए हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में मक्का और सोयाबीन का पर्याप्त उत्पादन होने के बावजूद बाजार में इनकी कृत्रिम किल्लत पैदा की जा रही है, जिससे मुर्गी पालन से जुड़े किसानों की आर्थिक स्थिति बिगड़ने लगी है।



बहादुर अली ने इस संकट के पीछे की वजह बताते हुए कहा कि सोशल मीडिया और एक स्थापित ट्रेडर लॉबी द्वारा देश में मक्का और सोयाबीन की कमी होने की भ्रामक अफवाहें फैलाई जा रही हैं। इस तरह का माहौल बनाया जा रहा है कि हर किसी को लग रहा है कि वह मक्का और सोयाबीन का भंडारण कर करोड़पति बन जाएगा। इसी के चलते गांव-गांव में गोदाम बनाकर बड़े पैमाने पर इनकी जमाखोरी शुरू हो गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी और कृषि आंकड़ों के अनुसार देश के हर राज्य में इन फसलों का भरपूर उत्पादन हुआ है और वास्तविकता में किसी तरह की कोई शॉर्टेज नहीं है, बल्कि स्टॉक कर कृत्रिम संकट खड़ा किया जा रहा है।

बढ़ती लागत और महंगाई का सीधा असर अब पोल्ट्री उत्पादन पर पड़ने लगा है। एसोसिएशन के अध्यक्ष के अनुसार, फीड महंगा होने के कारण इंडस्ट्री ने अपना उत्पादन कम कर दिया है, जिसका सीधा असर आगामी 15 दिसंबर के बाद बाजार में देखने को मिलेगा और दाम बढ़ने से खपत में भी गिरावट आएगी। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि मक्के की बढ़ती कीमतों की मार केवल पोल्ट्री ही नहीं, बल्कि एथनॉल प्लांट्स पर भी पड़ रही है और कई एथनॉल इकाइयां बंद भी हो चुकी हैं, जो अब अपनी समस्या लेकर सरकार के पास पहुंच रही हैं। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई कि



जिस तरह सोना 2 लाख के स्तर पर पहुंचने के बाद अब सवा लाख पर आ गया है, उसी तरह जनवरी तक मक्का और सोयाबीन के दामों में भी बड़ी गिरावट देखने को मिलेगी।

सरकार से हस्तक्षेप की मांग

इस गंभीर स्थिति से इंडस्ट्री और किसानों को उबारने के लिए बहादुर अली ने केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने आग्रह किया कि सरकार सबसे पहले मक्का और सोयाबीन पर स्टॉक लिमिट लागू करे, ताकि जमाखोरी पर अंकुश लग सके। इसके साथ ही उन्होंने मांग रखी कि जिस तरह एथनॉल उत्पादन के लिए सरकार द्वारा रियायत दी जाती है, उसी तर्ज पर सरकार के पास उपलब्ध 30 लाख टन कनकी सरकारी दर पर पोल्ट्री इंडस्ट्री को उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका उद्देश्य किसानों को नुकसान पहुंचाना नहीं है, बल्कि जमाखोरी रोककर पोल्ट्री और डेयरी उद्योग से जुड़े लाखों ग्रामीण किसानों की आजीविका को बचाना है।

आस्था की डुबकी : पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने खारून नदी में किया कार्तिक पुन्नी स्नान



हर-हर महादेव और जय सिया राम के जयकारों से गूंजा महादेव घाट

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोमवार को खारून नदी में पवित्र कार्तिक पुन्नी स्नान किया।

महादेव घाट पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। भूपेश बघेल के घाट पहुंचते ही हर-हर महादेव और जय सिया राम के जयकारों से पूरा घाट गूंज उठा। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर खारून नदी में आस्था की डुबकी लगाई और प्रदेश की सुख-समृद्धि व खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और श्रद्धालु मौजूद रहे। स्नान के बाद बघेल ने घाट पर मौजूद लोगों से मुलाकात की और सभी को कार्तिक पुन्नी की शुभकामनाएं दीं।

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर महादेव घाट पर मेला जैसा माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने दीपदान कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

पलारी में उमड़ा आस्था का जनसैलाब, 1200 वर्ष प्राचीन सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में गूंजे जयकार

पलारी (बलौदाबाजार)। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर बलौदाबाजार जिले के पलारी स्थित 1200 वर्ष प्राचीन ऐतिहासिक सिद्धेश्वर महादेव मंदिर और बालसमुंद तालाब में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। आज तड़के रात 2 बजे से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने बालसमुंद सरोवर में आस्था की डुबकी लगाई और परिवार सहित दीपदान कर सुख-समृद्धि की कामना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा को देव दीपावली के रूप में भी मनाया जाता है। मान्यता है कि इसी दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर नामक राक्षस का वध कर देवताओं को उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। इस विजय की खुशी में देवताओं ने दीप जलाकर दीपोत्सव मनाया था। तभी से कार्तिक पूर्णिमा पर दीपदान की विशेष परंपरा चली आ रही है। मान्यता है कि इस दिन पवित्र सरोवर में स्नान, भगवान शिव और विष्णु की पूजा तथा दीपदान करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। पलारी के बालसमुंद तालाब में स्नान और दीपदान की यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है। छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और धार्मिक आस्था से जुड़े इस आयोजन में पारंपरिक पुन्नी मेला भी लगता है, जिसमें जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और ग्रामीण परिवार पहुंचते हैं। सरोवर के तट पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़, मंदिरों में गूंजते जयकारे और जल में प्रवाहित होते दीपों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। यहां धार्मिक अनुष्ठान के साथ छत्तीसगढ़ की पारंपरिक खानपान, मेल-मिलाप और लोक संस्कृति की भी अनूठी झलक देखने को मिलती है। छत्तीसगढ़ में कार्तिक पूर्णिमा को पारंपरिक मड़ई-मेलों की शुरूआत के प्रमुख अवसरों में गिना जाता है। ऐसे में पलारी का पुन्नी मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि 1200 वर्षों की ऐतिहासिक विरासत, लोक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाने वाला उत्सव भी है।

तड़के हुई कार्रवाई का विरोध, 60 परिवारों की रोजी-रोटी हुई प्रभावित

मटन मार्केट में तोड़फोड़ की कार्रवाई, सड़क पर चिकन-मटन बेचकर किया विरोध प्रदर्शन

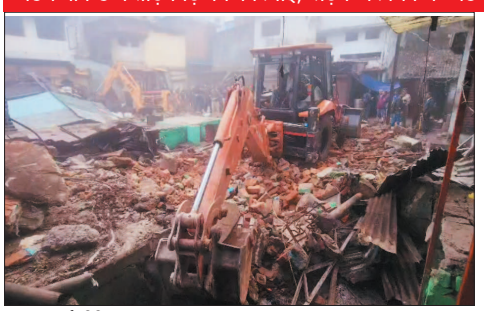

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

शहर के गोल बाजार स्थित चिकन, मटन, मछली मार्केट पर प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई की। आज सुबह लगभग 3.00 बजे प्रशासनिक टीम यहां पहुंची और तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू कर दी। गोल बाजार से इस मटन मार्केट को हटाने के लिए राजगामी संपदा न्यास के द्वारा तहसीलदार के माध्यम से पहले ही नोटिस जारी किया गया था।

शहर के गौरी नगर क्षेत्र में गौ-हत्या का मामला सामने आने के बाद गोल बाजार स्थित चिकन-मटन-मछली मार्केट को हटाए जाने की मांग हिंदू संगठन और सर्व समाज द्वारा रैली प्रदर्शन के माध्यम से की गई थी, इसके लिए कलेक्टर को ज्ञापन भी सौंपा गया था। सोमवार तड़के प्रशासन द्वारा इस पर कार्रवाई की गई। नगर निगम और प्रशासन की टीम ने कार्रवाई करते हुए मटन, चिकन-मछली मार्केट को तोड़ दिया।

सभी रास्तों में रहा पहरा : नगर निगम प्रशासन की टीम द्वारा तोड़फोड़ कार्रवाई के दौरान मटन मार्केट के भीतर जाने वाले सभी 6 रास्तों में बैरिकेडिंग करके इसे बंद कर दिया गया था। इस कार्रवाई के दौरान एसडीएम, एएसपी, सीएसपी, नगर निगम कमिश्नर, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित लगभग 10 टीआई और 100 से अधिक पुलिस जवान तैनात किए गए थे। तोड़फोड़ के दौरान प्रशासनिक टीम ने मटन मार्केट का भवन, मछली के लगभग 2 दर्जन पसारा और अतिक्रमण करके बनाए गए चिकन दुकानों और टीन शेड को तोड़ने की कार्रवाई की है।

विक्रेताओं ने किया विरोध : मटन मार्केट तोड़े जाने के दौरान पुलिस का कड़ा पहरा लगा रहा। मटन मार्केट के भीतर जाने वाले सभी छह रास्तों को बैरिकेडिंग और पुलिस बल लगाकर बंद कर दिया गया था। तोड़फोड़ की कार्रवाई के दौरान पुलिस और प्रशासन को स्थानीय विक्रेताओं के विरोध का भी सामना करना पड़ा।

विरोध में सड़क पर लगाया दुकान : इधर मटन मार्केट तोड़े जाने के बाद विक्रेताओं ने शहर के गुड़ाखू लाइन के बीच सड़क पर ही दुकान लगाकर अपना विरोध प्रदर्शन किया। यहां के विक्रेताओं का कहना है कि वह अपनी तीन पीढ़ियों से लगभग 120 साल से यहां पर व्यवसाय कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासन की कार्रवाई को गलत बताते हुए कहा कि उन्हें यही व्यवसाय करने दिया जाए।

जल्द होगा व्यवस्थापन : तोड़फोड़ के बाद महापौर मधुसूदन यादव मौके पर पहुंचे और यहां के विक्रेताओं के साथ बैठक कर बेहतर निर्णय लेने की बात कही। महापौर ने कहा कि राजगामी संपदा के निर्णय अनुसार मटन मार्केट हटाने की कार्रवाई की गई है, उन्होंने कहा कि सभी कमजोर आय वर्ग के लोग हैं। इनका पहले व्यवस्थापन होना था, जल्द व्यवस्थापन करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके व्यापार के लिए जो अच्छी सुविधा होगी देंगे।

नंदई में होगा व्यवस्थापन

राजगामी की भूमि पर अतिक्रमण किया गया था, नंदई में नगर निगम द्वारा जगह चिन्हांकित की गई है, जहां इन्हें व्यवस्थापित किया जाएगा। कार्रवाई के पहले विक्रेताओं को नोटिस भी जारी किया गया था।

गौतम पटिल, एसडीएम





महादेव ऑनलाइन सट्टा मामला

ईडी की बड़ी कार्रवाई, वकील हिमांशु शेखर उर्फ मोहित हुआ गिरफ्तार



सौरभ चंद्राकर से पूछताछ में आया नाम, मामला रफा-दफा कराने के लिए दी थी 15 करोड़ की रकम - दुबई जाने से पहले मुंबई एयरपोर्ट पर पकड़ा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

महादेव ऑनलाइन सट्टा मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वकील हिमांशु शेखर उर्फ मोहित को गिरफ्तार किया है। सौरभ चंद्राकर से पूछताछ में हिमांशु शेखर का नाम सामने आया था। सौरभ चंद्राकर को 13 नवंबर को कस्टोडियल रिमांड पर लेकर 19 नवंबर तक की पूछताछ में खुलासा हुआ कि अपना मामला रफा-दफा कराने के लिए हिमांशु को 15 करोड़ की रकम दी थी।

जांच में यह भी सामने आया कि तीन साल में कई बार दुबई में सौरभ चंद्राकर से हिमांशु की मुलाकात हुई थी। एऊ ने हिमांशु के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया था। दुबई जाने से पहले उसे मुंबई एयरपोर्ट पर पकड़ा गया।

देर रात PMLA कोर्ट खुला। ED ने रायपुर कोर्ट में उसे पेश किया है। ED ने 7 दिन के रिमांड का आवेदन लगाया है।

भिलाई में खिलाड़ियों के 13 मोबाइल चोरी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



साइकिल पोलो ग्राउंड में अभ्यास के दौरान स्कूटी की डिक्की से गायब हुए फोन

भिलाई निवास के सामने साइकिल पोलो ग्राउंड में खिलाड़ियों के मोबाइल चोरी होने का मामला सामने आया है। जयंती स्टेडियम बंद होने के कारण खिलाड़ी भिलाई निवास ग्राउंड में अभ्यास कर रहे थे। अभ्यास के दौरान खिलाड़ियों ने अपने 13 मोबाइल एक ही स्कूटी की डिक्की में रखे थे। अभ्यास खत्म होने के बाद डिक्की खोली गई तो सभी 13 मोबाइल गायब मिले।

चोरी हुए सभी मोबाइल Android और बजट श्रेणी के फोन बताए जा रहे हैं। खिलाड़ियों के मुताबिक, मोबाइल में परीक्षा के Admit Card, जरूरी Documents और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी भी मौजूद थी।

खिलाड़ियों का कहना है कि वे आर्थिक रूप से सामान्य / लोअर-मिडिल-क्लास परिवारों से आते हैं, इसलिए मोबाइल चोरी होने से उन्हें काफी परेशानी हुई है। खिलाड़ियों के साथ रिटायर्ड भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 के शिक्षक फ सुनील कुमार भी मौजूद थे, जो बच्चों को निःशुल्क एथलेटिक्स ट्रेनिंग देते हैं। कुछ खिलाड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, जबकि कुछ आगामी एथलेटिक्स टूनार्मेंट की तैयारी में जुटे हैं। मामले को लेकर खिलाड़ियों के समूह ने भिलाई नगर थाना कोतवाली पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई है। खिलाड़ियों और कोच ने पुलिस एवं क्राइम ब्रांच से मामले की गंभीरता से जांच कर जल्द से जल्द सभी मोबाइल बरामद करने की मांग की है।

खिलाड़ियों का कहना है कि मोबाइल सिर्फ सामान नहीं, बल्कि उनकी पढ़ाई और खेल की तैयारी से जुड़े जरूरी दस्तावेजों का माध्यम भी थे।

आर सुनील कुमार, कोच

ऑनलाइन गेमिंग की लत में 10 लाख का कर्ज, फिर रची चोरी की साजिश - सूने मकान से लाखों के जेवरात चोरी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



साइबर सेल एवं पुलिस चौकी मोहारा की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सूने मकान से लाखों के सोने-चांदी के जेवरात चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने ऑनलाइन गेमिंग में करीब 10 लाख रुपये हारने के बाद कर्ज चुकाने के लिए चोरी की साजिश रची थी। पुलिस ने चोरी की वारदात में प्रयुक्त कार सहित कुल 15 लाख 50 हजार रुपये की संपत्ति जप्त की है।

गिरफ्तार आरोपी में सुरेन्द्र साहू पिता प्यारा दास साहू, उम्र 36 वर्ष और गणेश्वर नेताम उर्फ राजू नेताम पिता प्रितम नेताम, उम्र 25 वर्ष। दोनों निवासी ग्राम ठाकुरटोला, पुलिस चौकी मोहारा, थाना डोंगरगढ़, जिला राजनांदगांव है। जप्त संपत्ति में ग्राम ठाकुरटोला की चोरी के सोने-चांदी के जेवरात - कीमती 8,50,000 रुपये। घटना में प्रयुक्त कार - कीमती 5,00,000 रुपये। और रायपुर के अरिहंत नगर स्थित मकान से चोरी किए गए सोने के जेवरात - कीमती 2,00,000 रुपये। कुल जप्त संपत्ति - 15,50,000 रुपये।

क्या है मामला : प्रार्थी दीपक वर्मा निवासी ग्राम ठाकुरटोला ने पुलिस चौकी मोहारा में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 25 अगस्त 2026 को सुबह करीब 09 बजे वह अपने परिवार के साथ खेती-किसानी के कार्य से खेत गया था। दोपहर करीब 01 बजे वापस घर आने पर देखा कि घर का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाकर देखने पर अलमारी में रखे सोने-चांदी के आभूषण अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिए गए थे। रिपोर्ट पर पुलिस चौकी मोहारा में अपराध क्रमांक 483/2026, धारा 331, 305 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी डोंगरगढ़ केसरी नंदन नायक के पर्यवेक्षण में पुलिस चौकी प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह एवं साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक विनय पम्मार के नेतृत्व में पुलिस चौकी मोहारा एवं साइबर सेल की संयुक्त टीम गठित कर आरोपियों की पतासाजी प्रारंभ की गई।

गेमिंग के कर्ज ने बनाया चोर : विवेचना के दौरान ग्राम ठाकुरटोला निवासी आरोपी सुरेन्द्र साहू एवं गणेश्वर नेताम के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। पूछताछ एवं मेमोरण्डम कथन में आरोपियों ने बताया कि सुरेन्द्र साहू को ऑनलाइन गेमिंग की लत के कारण करीब 10 लाख रुपये का कर्ज हो गया था। कर्ज चुकाने के लिए उसने अपने साथी गणेश्वर नेताम के साथ मिलकर चोरी की योजना बनाई।

योजना के अनुसार करीब तीन माह पूर्व दोनों ने ग्राम ठाकुरटोला निवासी दीपक वर्मा के घर की रेकी की। वारदात के दिन सुबह करीब 04 बजे दोनों घर के पास पहुंचे। गणेश्वर नेताम घर के पास खड़े ट्रैक्टर की ट्रॉली के सहारे छत पर चढ़कर छिप गया, जबकि सुरेन्द्र साहू आसपास आने-जाने वाले लोगों पर निगरानी करता रहा।

सुबह करीब 09 बजे जब घर के सभी सदस्य खेत की ओर चले गए, तब सुरेन्द्र साहू द्वारा मोबाइल से सूचना देने पर गणेश्वर नेताम छत से नीचे उतरा तथा लोहे की रॉड से कमरे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद गोदरेज अलमारी को भी क्षतिग्रस्त कर उसमें रखे सोने का नेकलेस, सोने का मंगलसूत्र, सोने की अंगूठी, चांदी का करधन एवं एक जोड़ी पैरपट्टी चोरी कर ली।

वारदात के बाद गणेश्वर नेताम पीछे की बाड़ी की ओर से बाहर निकला, जहां सुरेन्द्र साहू अपनी कार क्रमांक उऋ04 ठे 3480 लेकर पहुंचा था। दोनों चोरी के जेवरात लेकर रायपुर चले गए तथा इन्द्रप्रस्थ कॉलोनी में किराये के मकान में साथ रहने लगे। आरोपियों ने चोरी के जेवरात बेचने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं होने पर कुछ जेवरात किराये के मकान में छिपाकर रख दिए।

आरोपी सुरेन्द्र साहू ने अपने मेमोरण्डम कथन में चोरी के जेवरात के अतिरिक्त ग्राम के परिचित हेमंत साहू के रायपुर स्थित अरिहंत नगर के मकान से घरेलू कामकाज के दौरान एक जोड़ी सोने के टॉप्स एवं एक जोड़ी झुमका चोरी कर मुथूट फाइनेंस डोंगरगढ़ में गिरवी रखना भी स्वीकार किया है। दोनों आरोपियों के मेमोरण्डम कथन के आधार पर पुलिस ने कुल 15,50,000 रुपये की संपत्ति जप्त की है। आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई कर अग्रिम विवेचना की जा रही है।


सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
NDB NEWS नई दृष्टि बिंदु
आपके विश्वास और प्यार से
नई उड़ान...
धन्यवाद आप सभी का!
YouTube नई दृष्टि बिंदु News
7.5K+ SUBSCRIBERS
7.2 MILLION+ VIEWS
आपके विश्वास की ताकत
Instagram nai drishtibindu
12K+ FOLLOWERS
CRORES+ VIEWS
आपका साथ, हमारी पहचान
Facebook Nai Drishti Bindu
8K+ FOLLOWERS
MILLIONS+ VIEWS
जनता की आवाज़, हमेशा
आपका प्यार और सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है।
लोग हमारा कंटेंट देख रहे हैं, अब आपसे एक निवेदन है -
हमें देखें, सराहें और
SUBSCRIBE / FOLLOW
ज़रूर करें!
आपका एक SUBSCRIBE / FOLLOW हमारा मनोबल बढ़ाता है, और हमें देता है और बेहतर करने की ताकत!
आपका साथ हमारी ताकत हमारी पहचान
निष्पक्ष खबरें | छत्तीसगढ़ की आवाज़ | राज्य | जिला | समाज | प्रशासन
हमारा मकसद सिर्फ खबर नहीं, बदलाव लाना है!
जुड़े रहिए... नई दृष्टि बिंदु News के साथ

सीएसवीटीयू में SECL के सहयोग से बनेगा 100 सीटर बालिका छात्रावास

CSR मद से 3 .82 करोड़ की वित्तीय सहायता स्वीकृत, उच्च और तकनीकी क्षेत्र में बालिका शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय (CSVTU), भिलाई के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (SECL), बिलासपुर द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में 100 सीटर बालिका छात्रावास के निर्माण हेतु अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) मद से 382 लाख (3.82 करोड़) की वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई है।

इस महत्वपूर्ण परियोजना के क्रियान्वयन हेतु CSVTU एवं SECL के मध्य आधिकारिक रूप से समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर SECL की ओर से महाप्रबंधक (CSR) अजय बहेरा तथा CSVTU की ओर से कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया।

इस परियोजना के सफल समन्वय, योजना एवं तकनीकी रूपरेखा तैयार करने में विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्राध्यापक एन.पी. देवांगन, विवेक कुमार मिश्रा एवं पंकज कुमार स्वर्णकार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इस ऐतिहासिक सहयोग पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण अरोरा ने हर्ष व्यक्त करते हुए SECL प्रबंधन के प्रति हार्दिक आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि यह पहल विश्वविद्यालय की शैक्षणिक अधोसंरचना को सुदृढ़ करने के साथ-साथ छात्राओं को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

प्रस्तावित 100 सीटर छात्रावास के निर्माण से विशेष रूप से राज्य के दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों से तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने आने वाली छात्राओं को परिसर में ही सुरक्षित, स्वच्छ एवं आधुनिक आवासीय सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। यह संयुक्त प्रयास प्रदेश में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने तथा महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक सार्थक योगदान देगा।



खास खबर

दुर्ग संभाग की सहसंयोजिका बनीं कुमारी गेंदमुखी साहू, समाज में हर्ष



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष जितेंद्र कुमार साहू ने फोन कर दी बधाई, प्रदेश सह संयोजक नीलेश कुमार साहू ने भी दी शुभकामनाएं

छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ ने दुर्ग संभाग महिला प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी का विस्तार किया है। इसमें धमधा की कुमारी गेंदमुखी साहू को दुर्ग संभाग की सहसंयोजिका बनाया गया है। उनके मनोनयन पर पूरे समाज में युवाओं में हर्ष का माहौल है।

प्रदेश अध्यक्ष डॉ. निरेन्द्र साहू के निर्देशानुसार, प्रदेश संयोजक, महिला प्रकोष्ठ के मार्गदर्शन एवं एकीकृत नियमावली के अनुरूप दुर्ग संभाग महिला प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया है। मनोनयन सूची 22 नवंबर 2026 को जारी की गई। संगठन को और अधिक सशक्त, सक्रिय एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से विभिन्न पदों पर कार्यकर्ताओं का मनोनयन किया गया है।

सहसंयोजिका में तीन नाम : सहसंयोजिका पद पर बालोद से श्रीमती खिलेश्वरी साहू, कवर्धा से श्रीमती हेमलता साहू और धमधा से कुमारी गेंदमुखी साहू को जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा महामंत्री पद पर धनेरा दुर्ग से श्रीमती मनीषा साहू, बेमेतरा से श्रीमती कविता साहू, अंबागढ़ मानपुर मोहला से श्रीमती भानुप्रिया साहू और राजनांदगांव से श्रीमती आरती साहू को मनोनीत किया गया है। संगठन सचिव में राजनांदगांव से श्रीमती मुनेश्वरी साहू, खैरागढ़ से श्रीमती रेखा साहू, भिलाई से श्रीमती भुनेश्वरी साहू, दुर्ग से श्रीमती डोमिन साहू, पाटन से श्रीमती सरिता साहू और बेमेतरा से श्रीमती जया साहू शामिल हैं। प्रचार सचिव में कवर्धा से श्रीमती नंदिनी साहू, बालोद से श्रीमती संध्या साहू, खैरागढ़ से श्रीमती कुलेश्वरी साहू, दुर्ग से श्रीमती पुष्पा साहू और भिलाई से श्रीमती झमित साहू को जिम्मेदारी मिली है।

बधाईयों का तांता : कुमारी गेंदमुखी साहू के मनोनयन पर तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष (राज्य मंत्री) जितेंद्र कुमार साहू ने फोन कर बधाई दी। वहीं प्रदेश सह संयोजक नीलेश कुमार साहू ने भी बधाई दी। समाज के लोगों ने उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व में दुर्ग संभाग में महिला प्रकोष्ठ और अधिक सक्रिय होगा और युवाओं की भागीदारी बढ़ेगी।

घासीदास नगर में धूमधाम से मनाया गया दिवाली मिलन व तुलसी विवाह समारोह

भिलाई। नगर साहू समाज वार्ड क्रमांक 23 घासीदास नगर के सौजन्य से देव उठनी एकादशी के पावन पर्व पर श्री कृष्ण कर्मा मंदिर प्रांगण में दिवाली मिलन व तुलसी विवाह समारोह का भव्य आयोजन किया गया।

समारोह में जय मां कर्मा सेवा भजन मंडली द्वारा तेल माटी, चूरमाटी, देवतला, बारात, परधणी, पानीग्रहण, विदाई गीत एवं विवाह गीत गाकर उपस्थित भक्तजनों का उत्साह बढ़ाया गया और विधि-विधान से तुलसी विवाह संपन्न कराया गया। वर पक्ष में शालिग्राम देवता और वधू पक्ष में तुलसी माता के रूप में विवाह की सभी रस्में निभाई गईं। इस अवसर पर साहू समाज के साथ-साथ अन्य समाज के लोग भी बड़े उत्साह के साथ शामिल हुए और विवाह रस्मों में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में नगर साहू समाज घासीदास नगर के अध्यक्ष पुरुषोत्तम साहू, उपाध्यक्ष अभय राम साहू, कोषाध्यक्ष छंगू राम साहू, मंदिर के पुजारी शंकर साहू, कृष्णा साहू, थान सिंह साहू, गौरव साहू, गेमन साहू, अंकलहा राम साहू, नागेश साहू सहित महिला पक्ष से श्रीमती संतोषी साहू, खेदिया साहू, देवकी साहू, लक्ष्मी साहू, नेहा साहू, अमेरिका साहू, उपमा साहू, राजबति साहू और बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का भोग प्रसाद रामकुमार साहू के ज्येष्ठ पुत्र लीलाराम साहू और उनकी धर्मपत्नी लक्ष्मी साहू द्वारा अर्पित किया गया।



भाजपा जिला कार्यालय दुर्ग में हुआ भव्य सम्मान समारोह

ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री बने विधायक ललित चंद्राकर का हुआ स्वागत-अभिनंदन

जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक के नेतृत्व में देवतुल्य कार्यकताओं ने किया स्वागत



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय दुर्ग में भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन करने के उपरांत एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में दुर्ग ग्रामीण के लोकप्रिय विधायक ललित चंद्राकर को भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा का राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किए जाने पर भाजपा दुर्ग के देवतुल्य समस्त कार्यकताओं ने भव्य स्वागत कर सम्मानित किया।

जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक के नेतृत्व में आयोजित इस सम्मान समारोह में जैसे ही विधायक ललित चंद्राकर कार्यालय पहुंचे, पूरा भाजपा कार्यालय "ललित भैया जिंदाबाद, भाजपा जिंदाबाद" के नारों से गूंज उठा। कार्यकताओं ने गजमाला, पुष्पहार, पुष्पगुच्छ और पुष्पवर्षा कर उनका आत्मीय स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के साथ कार्यकताओं ने अपनी खुशी व्यक्त की।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक ने कहा कि ललित चंद्राकर की नियुक्ति हम सभी दुर्ग वासियों के लिए गर्व का विषय है। 1994 से संगठन के लिए समर्पित एक कार्यकर्ता आज राष्ट्रीय फलक पर पहुंचा है, यह संगठन की ताकत और कार्यकर्ता के सम्मान का प्रतीक है। राष्ट्रीय नेतृत्व ने जो विश्वास ललित जी पर जताया है, वह पूरे दुर्ग जिले के कार्यकताओं का सम्मान है।

विधायक ललित चंद्राकर ने सभी कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान मेरा नहीं, यह दुर्ग के हर एक देवतुल्य कार्यकर्ता का सम्मान है। आप सबके आशीर्वाद, मेहनत और प्यार से ही मैं यहां तक पहुंचा हूं। पार्टी ने मुझे जो नई जिम्मेदारी दी है, उसे मैं पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाऊंगा। ओबीसी समाज के उत्थान और संगठन की मजबूती के लिए मैं हमेशा कार्य करता रहूंगा।

सम्मान समारोह में प्रमुख रूप से भाजपा महामंत्री दिलीप साहू, विनोद अरोरा, जिला उपाध्यक्ष शिवेन्द्र परिहार, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती माया बेलचंदन, दुर्ग निगम महापौर श्रीमती अल्का बाघमार, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती साहू, अजय तिवारी, पार्षद साजन जोसफ सहित जिला के मंडल के व मोर्चा के सभी देवतुल्य कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकताओं ने विधायक जी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और संगठन को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लिया।



शासकीय नौकरी दिलाने का झांसा देकर की गई लाखों की धोखाधड़ी



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

थाना सुपेला पुलिस ने शासकीय नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले फरार आरोपी को छत्तरपुर (मध्यप्रदेश) से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है। प्रार्थी तापस मंडल ने नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी के संबंध में न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया था। न्यायालय के आदेश पर थाना सुपेला में अपराध क्रमांक 1202/2026, धारा 318(4) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था।

पहले 50 हजार लिए, फिर 5.90 लाख मगे : प्रार्थी के अनुसार आरोपी अंकित कुमार रैकवार ने पहले नगर निगम रायपुर में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 50,000 रुपये लिए थे। नौकरी नहीं लगने पर आरोपी ने उक्त राशि वापस कर दी। इसके बाद मंत्रालय में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर नौकरी दिलाने का आश्वासन देकर 21 मई 2025 से 24 अगस्त 2025 के मध्य अलग-अलग तिथियों एवं विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से कुल 5,90,000 रुपये प्राप्त किए। विवेचना के दौरान प्रार्थी एवं गवाहों के कथन दर्ज किए गए तथा संबंधित बैंक खातों के लेनदेन की जानकारी प्राप्त की गई। अपराध पंजीबद्ध होने के बाद आरोपी को विवेचना में उपस्थित होने के लिए कई बार निर्देशित किया गया, किंतु आरोपी उपस्थित नहीं हुआ।

थाना सुपेला पुलिस टीम ने लगातार पतासाजी कर 23 नवंबर 2026 को आरोपी अंकित कुमार रैकवार को छत्तरपुर, मध्यप्रदेश से हिरासत में लेकर थाना सुपेला लाया। पूछताछ में आरोपी ने प्रार्थी से प्राप्त रकम विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से लेना तथा खर्च करना स्वीकार किया। आरोपी ने प्रार्थी को 10,000 रुपये वापस करना भी बताया। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

अंकित कुमार रैकवार, उम्र 24 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 69, साईं मंदिर के पीछे, शिवम विहार, रायपुर, थाना डीडी नगर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)। उक्त कार्यवाही में थाना सुपेला के थाना प्रभारी एस.एन. सिंह, उप निरीक्षक लेखन साहू एवं आरक्षक रमेश पाण्डेय की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नि :शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का लोगों ने उठाया लाभ, जरूरतमंदों को मिला परामर्श

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

अल मदद एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन फरीद नगर स्थित नेशनल पब्लिक स्कूल में रविवार 22 नवंबर को किया गया। सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक चले इस शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने पहुंचकर जांच व परामर्श का लाभ उठाया।

शिविर में विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मरीजों की जांच की और उन्हें आवश्यक उपचार व आगे की जांच के लिए मार्गदर्शन दिया। सेवाएं देने वालों में डॉ. एस. के. गुप्ता (सामान्य चिकित्सक एवं मधुमेह विशेषज्ञ), डॉ. जावेद परवेज (हृदय रोग विशेषज्ञ), डॉ. अमरीन (दंत चिकित्सक), डॉ. विभा (सामान्य चिकित्सा), डॉ. दिव्या



(सामान्य चिकित्सा) तथा डॉ. कोमल मेश्राम (विभागाध्यक्ष, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग) शामिल रहे।

आयोजन के दौरान सामान्य स्वास्थ्य जांच, मधुमेह जांच व परामर्श, हृदय रोग परामर्श, दंत जांच और सामान्य चिकित्सा परामर्श जैसी सुविधाएं प्रदान की गईं। इसके अतिरिक्त सामान्य चिकित्सा, स्त्री रोग, बाल रोग, हड्डी रोग और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से लोगों को लाभान्वित किया गया।

सोसाइटी की निदेशक अंजुम अली ने बताया कि अल मदद गैर-सरकारी संगठन शिक्षा, चिकित्सा सहायता, महिला सशक्तिकरण और जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए निरंतर कार्यरत है। उन्होंने कहा कि संस्था का प्रयास है कि समाज के हर जरूरतमंद व्यक्ति तक सहायता और सेवा आसानी से पहुंच सके।

शिविर को सफल बनाने में संस्था के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इनमें अंजुम, कौसर (महासचिव), कैसर (सचिव), लीना तजमीन (सह सचिव), गुलनिशा बाजी (सचिव), फरीदा खानम (सह कोषाध्यक्ष), रेशमा बानो (सह सचिव), सानिया (सचिव) और फरहीन अली (कोषाध्यक्ष) प्रमुख रूप से शामिल रहे। इनके साथ शेख, दरख्शां, सायरा, आयशा आलम, सीमा जावेद, जमीला, अहमदी बेगम, शाकिरून, अशरफुन, जमशेद अली, आरिफ खान, मोइनुद्दीन सिद्दीकी, फिरोज, हसनैन, रेहान और शमीम शेख सहित अन्य सदस्यों ने सेवा भाव के साथ व्यवस्थाएं संभालीं।



भूली-बिसरी यादें

70 साल की यादों से जीवंत हुई नंदिनी नगर की मिट्टी, नंदिनियंस गेट-टुगेदर रीयूनियन में उमड़ा अपनत्व

दशकों बाद कर्मभूमि पहुंचे नंदिनीवासी और साझा की यादें, सम्मान से सांस्कृतिक संध्या तक सजी महफिल

नई दृष्टिबिंदु / नंदिनी नगर भिलाई

भिलाई स्टील प्लांट की लाइमस्टोन माइन्स नगरी नंदिनी नगर में नंदिनियंस गेट-टुगेदर रीयूनियन का एक दिवसीय आयोजन रविवार 22 नवंबर को उत्साह, आत्मीयता और पुरानी स्मृतियों को जीवंत करने के साथ आयोजित किया गया।

विगत 70 वर्षों में अलग-अलग समय में नंदिनी नगर में रह चुके तमाम लोग देश के अलग-अलग हिस्सों से यहां पहुंचे और नगर से जुड़ी यादें साझा कीं; इनमें बड़ी संख्या ऐसे लोगों की भी रही जो 30-40 वर्षों बाद फिर अपनी कर्मभूमि लौटे थे। लगभग 350 लोगों की भागीदारी से हुए आयोजन में पूरे दिन अपनत्व और उल्लास का माहौल बना रहा। आयोजन के दौरान नंदिनी से जुड़े लोगों ने अपने बीते दिनों को याद करते हुए स्कूल, अस्पताल, क्लब, सिनेमा हॉल, रेलवे स्टेशन, मार्केट और अपने पुराने आवासों को फिर से देखा, जो अब पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं। अपनी स्मृतियों को जीवंत कर सभी लोग भावुक हो उठे।

शुभारंभ, स्वागत और दिवंगत साथियों का स्मरण

आयोजन की शुरुआत आगमन, पंजीयन और स्वागत नाश्ते के साथ हुई। इसके बाद शुभारंभ और सामूहिक स्वागत सत्र में दीप प्रज्वलन और मंगलाचरण के साथ नंदिनी नगर की यादों पर आधारित स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इस दौरान राघवेंद्र प्रताप सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया, रविशंकर सिंह ने पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की और उपस्थित सभी लोगों ने दिवंगत साथियों को संक्षिप्त श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीना स्मरण किया। प्रतिभागियों ने इनडोर गेम्स और मनोरंजक गतिविधियों में भी पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया, जबकि बौद्धिक संवाद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समां बांध दिया।



सम्मानित किए गए विशिष्टजन

समारोह के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्टजनों को सम्मानित किया गया। इनमें शिक्षा जगत से डीडी गुप्ता, आर एस बोहरे, ए एन चतुर्वेदी, बीपी द्विवेदी, सूर्यमणि शुक्ला, माधुरी जलतारे, अलका शर्मा, श्रिप्रा चटर्जी, डॉ. सुनीता वर्मा और आर एस ध्रुव शामिल रहे। हैमर थ्रो में एशियाड में प्रतिनिधित्व करने वाले बालमुकुंद, 1973झ1974 में नेशनल गेम्स में नंदिनी स्कूल का प्रतिनिधित्व करने वाली हैदराबाद से पहुंचीं ज्योत्सना द्विवेदी, सामाजिक उत्कृष्ट क्षेत्र व सामाजिक योगदान के लिए पीवी साजन, विद्यानंद कुशवाहा, रविंद्र कुमार शुक्ला, राजशेखर तिवारी, प्रशासनिक सेवा के लिए सुरेश सिंह परिहार, आर एन शुक्ला और डॉ. आरबी ठाकुर, शासकीय महाविद्यालय नंदिनी जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष अभिषेक सिंह व सहभागिता डाटा विश्लेषण हेतु विनायक तिवारी, नर्सिंग सेवा में सेवानिवृत्त सुप्रीटेंडेंट नर्स आरती पाल, छायाकार व छत्तीसगढ़ फिल्म निमार्ता-निर्देशक नरेंद्र दावड़ा तथा विशेष उपलब्धि के तहत कोल इंडिया से सेवानिवृत्त राघवेंद्र प्रताप सिंह का अभिनंदन हुआ।

राजनीति व प्रशासनिक/संस्थागत क्षेत्र में नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष रवि शंकर सिंह, धमधा-अहिवारा विधानसभा की पहली महिला इंजीनियर राजलक्ष्मी सिंह, पूर्व पालिका अध्यक्ष नटवर ताम्रकार और महिला एवं बाल विकास अधिकारी रंजना श्रीवास्तव सम्मानित हुए। वरिष्ठ एवं सामाजिक क्षेत्र से एन एस नायर और पूर्णिमा गंगराड़े, श्रमिक नेतृत्व में वरिष्ठ श्रमिक नेता आर वी के राव व वयोवृद्ध श्रमिक नेता चित्तरंजन बख्शी, लेखन व पत्रकारिता में भिलाई के इतिहास के दस्तावेजीकरण हेतु मुहम्मद जाकिर हुसैन तथा शासकीय स्कूल से सेवानिवृत्त प्राचार्य संगीता अस्थाना के साथ अशित सरकार, नेमा पटेल, परवीन जहाँ, सुरेंद्र सिंह और



राजिन्दर सिंह को भी सम्मानित किया गया।

स्नेह भोज, नगर भ्रमण, पुरस्कार वितरण और आतिशबाजी

आयोजन में सामूहिक स्नेह भोज के साथ-साथ वृक्षारोपण, भूमिपूजन और नगर भ्रमण भी संपन्न हुआ, जिससे सहभागियों का नंदिनी नगर से जुड़ाव और गहरा हुआ। अन्य सत्रों में स्मृति सम्मान प्रदान किए गए, शाम का नाश्ता, अनौपचारिक वार्तालाप, सामूहिक फोटो और उपहार वितरण में भी जीवंत भागीदारी रही। खेलों के विजेताओं को प्रतीकात्मक पुरस्कार दिए गए, पुरानी कॉलोनी, स्कूल और मित्र समूहों के साथ-साथ सभी सहभागियों की सामूहिक तस्वीरें ली गईं और धन्यवाद ज्ञापन के साथ भविष्य में भी जुड़े रहने का संकल्प लिया गया। अंत में भव्य आतिशबाजी के साथ यह यादगार आयोजन संपन्न हुआ।

सभी की सहभागिता से हुआ आयोजन

आयोजन के सुचारू संचालन में विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी अलग-अलग पदाधिकारियों और सदस्यों ने संभाली। आगमन, पंजीयन और स्वागत नाश्ते का दायित्व हरचरण सिंह संधु ने प्रभारी के रूप में संभाला, जिनके साथ शान मोहम्मद, हिमांशु अवस्थी, अभिषेक सिंह, गजानन कोरे, अजय पीतांबरम, काजल बर्मन, मोहन सिंह और विशाल जनबंधु सह प्रभारी के रूप में सक्रिय रहे। परिचय और अपनों से मिलन सत्र की व्यवस्था देवेन्द्र सिंह परिहार और रविन्द्र शुक्ला ने देखी, जबकि इनडोर गेम्स व मनोरंजक गतिविधियों का प्रभार विंदु सिंह के पास रहा। सामूहिक स्नेह भोज की जिम्मेदारी एन के गुप्ता, सुरेंद्र सिंह, विरेन्द्र सिंह ठाकुर, प्रमोद कुट्टी, सतीश फिलिप और जसपाल सिंह ने निभाई।

वृक्षारोपण, भूमिपूजन और नगर भ्रमण का संयोजन विद्यानंद कुशवाहा व आयोजन समिति ने किया, वहीं बौद्धिक संवाद और सांस्कृतिक कार्यक्रम दिनेश नायर, विजय शर्मा तथा तुफैल खान के प्रभार में हुए। स्मृति सम्मान की व्यवस्था रविशंकर सिंह, राघवेंद्र प्रताप सिंह और आयोजन समिति ने संभाली, जबकि शाम का नाश्ता, अनौपचारिक मिलन, सामूहिक फोटो व उपहार वितरण का दायित्व इंद्रजीत सिंह ठाकुर और हरीश राठौर ने निभाया। इसके अतिरिक्त समापन चरण में आतिशबाजी का प्रभार हिमांशु अवस्थी ने संभाला। आयोजन को सफल बनाने में शेख इंदु, अशोक भाई पटेल मुंबई, रंजना श्रीवास्तव (जिला महिला विकास अधिकारी), रणजीत घोष एक्जीक्युटिव डायरेक्टर सीएसईबी छत्तीसगढ़ शासन आदि का भी विशिष्ट योगदान रहा।

घरेलू हिंसा को किसी भी तरह नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए - राज्यपाल रमेन डेका

राज्यपाल मानव तस्करी और घरेलू हिंसा विषय पर आयोजित कार्यशाला मे शामिल हुए,

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि मानव तस्करी और घरेलू हिंसा गंभीर सामाजिक समस्याएं हैं। इन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए कानूनों का सख्ती से पालन, संबंधित प्रवर्तन एजेंसियों की सक्रियता और समाज की सामूहिक भागीदारी जरूरी है। घरेलू हिंसा को किसी भी स्थिति में सामान्य घटना मानकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। इसे गंभीरता से लेते हुए ऐसे मामलों का निष्पक्षता और स्वतंत्रता के साथ निराकरण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समुदाय के साथ-साथ स्वयंसेवी संगठनों को भी इस दिशा में जागरूकता बढ़ाने और पीड़ितों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए।

राज्यपाल रमेन डेका पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा आयोजित मानव तस्करी एवं घरेलू हिंसा विषयक प्रशिक्षण सह कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। वे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। राज्यपाल ने कहा कि मानव तस्करी आज खतरनाक रूप ले चुकी है। अब इसका संबंध केवल लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने तक सीमित नहीं है, बल्कि मानव अंगों की मांग के कारण भी इसकी घटनाएं सामने आ रही हैं। यह एक गंभीर मुद्दा बन चुका है। इसलिए इस समस्या से निपटने के लिए कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन और संबंधित एजेंसियों की जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है।

घरेलू हिंसा रोकने समाज को जागरूक करना आवश्यक : श्री डेका ने कहा कि पहले संयुक्त परिवारों की व्यवस्था थी, लेकिन अब एकल परिवारों की संख्या बढ़ रही है। घरेलू हिंसा पहले भी होती थी और आज भी हो रही है। अशिक्षा और बेरोजगारी जैसी परिस्थितियां भी इस समस्या को बढ़ा सकती हैं। घरेलू हिंसा का शिकार केवल गृहिणियां ही नहीं, बल्कि बाहर जाकर काम करने वाली महिलाएं भी होती हैं। उन्होंने कहा कि घरेलू हिंसा को किसी भी प्रकार की लत की तरह ही गंभीरता से समझने की जरूरत है, क्योंकि इसका दुष्प्रभाव व्यक्ति, परिवार और समाज सभी पर पड़ता है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए समाज को जागरूक करना होगा। परिवार के नैतिक मूल्यों और सामाजिक वातावरण की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जिन मामलों में पारिवारिक या मनोवैज्ञानिक समस्याएं सामने आती हैं, उनमें उचित काउंसलिंग की व्यवस्था की जानी चाहिए।

मीडिया समाज में जागरूकता और सकारात्मक बदलाव लाने का महत्वपूर्ण माध्यम : राज्यपाल ने कहा कि घरेलू हिंसा से जुड़े मामलों में निष्पक्षता और स्वतंत्रता के साथ निर्णय लिया जाना चाहिए। कानून के दायरे में रहते हुए प्रत्येक प्रकरण के तथ्यों और परिस्थितियों को समझकर उचित कार्रवाई होनी चाहिए। इस दिशा में पुलिस, न्यायपालिका, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सामाजिक संगठनों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने मीडिया की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि मीडिया को समाज में जागरूकता और सकारात्मक बदलाव लाने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। राज्यपाल ने कार्यशाला में होने वाले विचार-विमर्श और उससे निकलने वाले निष्कर्षों को धरातल पर लागू करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि केवल चर्चा करने से समस्याओं का समाधान नहीं होगा, बल्कि कार्यशाला में तय किए गए सुझावों और उपायों का प्रभावी क्रियान्वयन भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

घरेलू हिंसा के प्रकरणों का त्वरित निराकरण : कार्यक्रम में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण में महिला सुरक्षा, सम्मान और सशक्तीकरण के साथ मानव तस्करी एवं घरेलू हिंसा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने घरेलू हिंसा के प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने की आवश्यकता भी बताई। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े विशेष रूप से उपस्थित थीं। कार्यशाला में राज्य महिला आयोग की सदस्य, पुलिस, न्यायपालिका तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

खास खबर

राज्यपाल रमेन डेका ने सरस्वती महाविद्यालय को दिए 10 कंप्यूटर और प्रिंटर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



राज्यपाल रमेन डेका ने सोमवार को लोकभवन में सरस्वती महाविद्यालय, बिलासपुर को अपने स्वेच्छानुदान मद से 10 कंप्यूटर और प्रिंटर प्रदान किए। इस पहल का उद्देश्य महाविद्यालय में शैक्षणिक और तकनीकी सुविधाओं को बढ़ावा देना तथा विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराना है।

श्री डेका ने कहा कि महाविद्यालय की डिजिटल व तकनीकी क्षमता को सुदृढ़ करना और विद्यार्थियों के अध्ययन को अधिक सुगम व आधुनिक बनाने के लिए कंप्यूटर और प्रिंटर प्रदाए किए जा रहे हैं। यह 10 कंप्यूटर और प्रिंटर राज्यपाल ने अपने स्वेच्छानुदान मद से प्रदान किए हैं। इस अवसर पर सरस्वती महाविद्यालय के अध्यक्ष संतोष कुमार तिवारी, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के सदस्य बृजेंद्र शुक्ला, विवेक सक्सेना, लक्ष्मण राव मागर और बद्रीनाथ केसरवानी सहित महाविद्यालय प्रबंधन समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

पूर्व सांसद नंदकुमार साय हुए चोटिल, गृह ग्राम से हेलिकॉप्टर में साथ लेकर आए मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा- पैर में चोट लगने से नंदकुमार साय को हो रही थी तकलीफ, बेहतर उपचार के लिए बालाजी अस्पताल में कराया भर्ती

रायपुर / मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ आदिवासी नेता नंदकुमार साय के स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए उनके बेहतर उपचार के लिए हेलीकॉप्टर में अपने साथ रायपुर लेकर आए है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि दो दिन पहले श्री नंदकुमार साय फिसलकर गिर गए थे, जिससे उनके पैर में चोट आई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि कल जशपुर प्रवास के दौरान उनके निवास के समीप ही एक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिला था। इस दौरान वे रात में नंदकुमार साय के निवास पहुंचकर उनसे मिले और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पैर में चोट के कारण नंदकुमार साय को चलने-फिरने में तकलीफ हो रही थी। आज उन्हें रायपुर आना ही था, इसलिए नंदकुमार साय को भी अपने साथ हेलीकाप्टर से रायपुर ले आए, ताकि उन्हें यात्रा में असुविधा न हो और बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके। उन्होंने बताया कि नंदकुमार साय के बेहतर उपचार के लिए रायपुर के बालाजी अस्पताल में व्यवस्था की गई है।



मानव तस्करी और घरेलू हिंसा के खिलाफ सामूहिक प्रयासों से खड़ा करना होगा जनआंदोलन : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री राज्य स्तरीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला के समापन सत्र में हुए शामिल, कहा- महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए सरकार प्रतिबद्ध

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि मानव तस्करी और घरेलू हिंसा जैसी सामाजिक बुराइयों के लिए सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं है। इनका उन्मूलन केवल सरकार या किसी एक संस्था के प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए पूरे समाज को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा, सम्मान तथा उनके अधिकारों की रक्षा के लिए सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मानव तस्करी और घरेलू हिंसा के विरुद्ध सामूहिक संकल्प लेकर इसे जनआंदोलन का स्वरूप देना समय की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री श्री साय राजधानी रायपुर स्थित पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के सभागार में मानव तस्करी एवं घरेलू हिंसा विषय पर आयोजित एक दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मानव तस्करी और घरेलू हिंसा अत्यंत संवेदनशील विषय हैं, जिनका सीधा संबंध महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और उनके भविष्य से है। इन विषयों पर विचार-विमर्श के लिए न्यायपालिका, पुलिस, विश्वविद्यालयों, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सामाजिक संगठनों के अनुभवी प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाना सराहनीय पहल है। उन्होंने राज्य महिला आयोग के इस प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि कार्यशाला में सामने आए विचार और सुझाव महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने में उपयोगी सिद्ध होंगे।

मुख्यमंत्री ने भारतीय संस्कृति में नारी सम्मान की गौरवशाली परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे शास्त्रों में कहा गया है, 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:', अर्थात जहां नारियों का सम्मान होता है, वहां देवताओं का वास होता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सम्मान और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल शासन का दायित्व नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

मानव तस्करी की रोकथाम के लिए जागरूकता और सतर्कता आवश्यक

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने गृह जिले जशपुर का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय वहां मानव तस्करी की समस्या गंभीर थी। सरकार, पुलिस, महिला आयोग और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के समन्वित प्रयासों से इस समस्या में कमी आई है। उन्होंने कहा कि मानव तस्करी के अनेक मामलों में परिचित व्यक्ति ही नौकरी या बेहतर भविष्य का प्रलोभन देकर बेटियों को अपने जाल में फंसा लेते हैं। ऐसे मामलों को रोकने के लिए परिवारों और समाज में जागरूकता तथा सतर्कता अत्यंत आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने जनसेवा के अपने लंबे अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे पिछले 30-35 वर्षों से सार्वजनिक जीवन में सक्रिय हैं। लगभग 20 वर्षों तक सांसद के रूप में दिल्ली में रहने के दौरान मानव तस्करी के अनेक मामले उनके सामने आए। ऐसे मामलों में आवश्यक पहल कर कई बेटियों को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराने में सहयोग किया। उन्होंने कहा कि इन अनुभवों ने महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान ने बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान के प्रति देशभर में जागरूकता बढ़ाई है। इसी भावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार भी महिलाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए मजबूत की जा रही संस्थागत व्यवस्था

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 42 सखी वन स्टॉप सेंटर संचालित हैं, जहां हिंसा से पीड़ित महिलाओं को एक ही स्थान पर चिकित्सा सहायता, कानूनी परामर्श, मनोवैज्ञानिक सहयोग और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि महिलाओं और बेटियों की सहायता के लिए 24 घंटे संचालित महिला हेल्पलाइन नंबर 181 तथा आपातकालीन सहायता नंबर 112 की व्यवस्था है। महिलाओं की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश में महिला थानों की संख्या बढ़ाई गई है और पुलिस थानों में महिला हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ पुलिस के 'अभिव्यक्ति ऐप' के माध्यम से महिलाएं अपनी शिकायतें दर्ज कराने के साथ सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारी भी प्राप्त कर सकती हैं।



महतारी वंदन योजना से महिलाओं को मिल रहा आर्थिक संबल

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के साथ उनका आर्थिक सशक्तिकरण भी सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से प्रदेश में महतारी वंदन योजना संचालित की जा रही है। योजना की 33 किश्तें जारी की जा चुकी हैं और वर्तमान में 68 लाख से अधिक माताएं-बहनें इससे लाभान्वित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत प्रतिमाह मिलने वाली एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के लिए बड़ा संबल बनी है। इस राशि से महिलाएं अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने के साथ परिवार की जरूरतों में भी योगदान दे रही हैं। अनेक महिलाओं ने इस सहायता राशि का सदुपयोग कर सिलाई-कढ़ाई, सब्जी दुकान और अन्य छोटे व्यवसाय शुरू किए हैं। आर्थिक आत्मनिर्भरता से महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ रहा है और परिवार तथा समाज में उनकी भागीदारी अधिक सशक्त हो रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए लखपति दीदी अभियान की शुरुआत की है। छत्तीसगढ़ में लगभग 14 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। प्रशिक्षण, आजीविका संवर्धन और स्वरोजगार के अवसरों के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मानव तस्करी और घरेलू हिंसा जैसी कुरीतियों को समाप्त करने के लिए शासन-प्रशासन, पुलिस, न्यायपालिका, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों को टीम भावना के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि आज की कार्यशाला की वास्तविक सार्थकता तभी होगी, जब यहां हुए विचार-विमर्श और प्राप्त सुझावों को व्यवहार में उतारकर महिलाओं और बेटियों के लिए सुरक्षित तथा सम्मानजनक वातावरण तैयार किया जाएगा।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ ममता साहू, आयोग की सदस्य श्रीमती ओजस्वी मंडावी एवं सुश्री दीपिका सोरी, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ सच्चिदानंद शुक्ला सहित न्यायपालिका, पुलिस विभाग, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

कार्यक्रम मुख्यमंत्री विष्णु देव साय धनोरा में आयोजित भगवान सहस्रबाहु अर्जुन जयंती कलार महोत्सव में हुए शामिल

भगवान सहस्रबाहु अर्जुन के आदर्श न्याय, धर्मरक्षा और लोककल्याण की प्रेरणा देते हैं : मुख्यमंत्री

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-कोण्डागांव

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कोण्डागांव जिले के ग्राम धनोरा में आयोजित राजराजेश्वर भगवान सहस्रबाहु अर्जुन जयंती कलार महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने भगवान सहस्रबाहु अर्जुन की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कलार समाज के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक एकता की सराहना करते हुए कहा कि भगवान सहस्रबाहु अर्जुन का जीवन न्याय, धर्मरक्षा और लोककल्याण के उच्च आदर्शों का प्रतीक है। उनके आदर्श हमें समाज की सेवा और जनहित के कार्यों के लिए सदैव प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग की उन्नति में ही प्रदेश की समृद्धि निहित है और राज्य सरकार इसी भावना के साथ सभी वर्गों के कल्याण तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने महोत्सव में उपस्थित समाजजनों को भगवान सहस्रबाहु अर्जुन जयंती की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कलार समाज का इतिहास अत्यंत समृद्ध और गौरवशाली रहा है। सातवीं से सत्रहवीं शताब्दी तक लगभग एक हजार वर्षों तक देश के विभिन्न क्षेत्रों में कलचुरी वंश का वैभवशाली शासन रहा। इस गौरवशाली विरासत को संजोते हुए कलार समाज आज शिक्षा, कृषि, व्यापार, व्यवसाय और विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने समाज की एकजुटता, परिश्रम और सामाजिक समरसता की भावना की प्रशंसा करते हुए कहा कि संगठित और जागरूक समाज ही प्रदेश की प्रगति को नई दिशा देता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं तथा समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हैं। राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री की गारंटी को पूरा करने की दिशा में सरकार गठन के बाद पहली ही कैबिनेट बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों को स्वीकृति दी। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने किसानों के हित में उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में 15 नवंबर से धान खरीदी का महाअभियान प्रारंभ हो चुका है। किसानों से 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदी की जा रही है। किसानों की सुविधा के लिए इस वर्ष 360 नए धान उपार्जन केंद्र प्रारंभ किए गए हैं, ताकि उन्हें अपनी उपज बेचने के लिए अनावश्यक परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि किसानों की मेहनत का उचित मूल्य सुनिश्चित करना और खेती को लाभकारी बनाना राज्य सरकार का प्रमुख उद्देश्य है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की लगभग 68 लाख माताओं-बहनों को प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। इसी प्रकार तेंदूपत्ता संग्राहकों का पारिश्रमिक बढ़ाकर 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा किया गया है और चरण पादुका योजना पुन: प्रारंभ की गई है। प्रदेश के 5.5 लाख से अधिक भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से अब तक 55 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या धाम में प्रभु श्रीरामलला के दर्शन कर चुके हैं।



मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में छत्तीसगढ़ की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने सभी समाजों से शिक्षा, सामाजिक एकता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और जनसेवा के क्षेत्र में आगे बढ़कर विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने प्रदेश की 70 हजार से अधिक मितानिन बहनों को मितानिन दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि मितानिन बहनें विषम परिस्थितियों में भी समर्पण के साथ सेवाएं देकर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बना रही हैं। उन्होंने कलार समाज के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि यह समाज देश के विभिन्न राज्यों में अलग-अलग नामों और उपनामों से जाना जाता है तथा सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

उन्होंने कलचुरी वंश के ऐतिहासिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कलार समाज और जनजातीय समाज के बीच सदियों से आपसी सहयोग, सामाजिक समरसता और भाईचारे की परंपरा रही है। बस्तर और सरगुजा अंचल की जनजातीय देव-परंपराओं तथा धार्मिक अनुष्ठानों में कलार समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने समाजजनों से आपसी भेदभाव दूर कर एकजुटता के साथ शिक्षा, संगठन और सामाजिक प्रगति की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

कांकेर सांसद भोजराज नाग ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने धनोरा पहुंचकर सबसे पहले स्थानीय आराध्य खण्डा डोकरा आंगा देव की पूजा-अर्चना कर जनजातीय समाज की आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति सम्मान प्रकट किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सम्मान, गौरव और विकास को नई पहचान मिली है।

केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम ने क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों और जनसुविधाओं के विस्तार की जानकारी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में दूरस्थ क्षेत्रों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से लंबित विद्युत सब-स्टेशन के निर्माण के लिए राज्य सरकार द्वारा 32 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाने से इसका निर्माण पूर्ण हो सका है। इससे क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, वन मंत्री केदार कश्यप, कांकेर सांसद भोजराज नाग, बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी, केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम, पूर्व विधायक सेवकराम नेताम, बस्तर आईजी बी.एन. मीणा, कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना, पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा, कलार समाज बस्तर संभाग के अध्यक्ष कमल किशोर कश्यप सहित समाज के पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

संपादकीय

मुश्किलों के डेटा सेंटर
लोग न चुकाएं एआई विस्तार की कीमत

आज चारों तरफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का हौवा नजर आता है, जिसके लिए मानव की नैसर्गिक प्रतिभा और जीवन के जरूरी अवयवों को नजरअंदाज किया जा रहा है। माना कि एआई के विस्तार से आर्थिक विकास के नए अवसर पैदा हो रहे हैं, जिसके लिए डेटा सेंटरों का तेजी से अंधाधुंध विस्तार हो रहा है। वहीं दूसरी ओर, अमेरिका, यूरोप और भारत में इनके खिलाफ बढ़ता विरोध एक अहम चेतावनी भी है। निस्संदेह, तकनीकी प्रगति होनी चाहिए, लेकिन इसकी कीमत समाज और पर्यावरण को नहीं चुकानी चाहिए।

अमेरिका में हालिया मध्यावधि चुनावों में डेटा सेंटर परियोजनाओं को लेकर लोगों का गुस्सा भी सामने आया है। वास्तव में, दुनिया भर के लोग डेटा सेंटरों को चलाने में इस्तेमाल होने वाली भारी-भरकम बिजली और पानी के बेतहाशा इस्तेमाल को लेकर नाराज हैं। वे स्थानीय संसाधनों पर पड़ने वाले इनके नकारात्मक प्रभावों को लेकर चिंतित हैं। यही वजह है कि अमेरिका के टेक्सास में पानी की घटती आपूर्ति को लेकर किसानों का गुस्सा वहां एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है। कमोबेश ऐसा ही गुस्सा अमेरिका के अन्य राज्यों और कुछ यूरोपीय देशों में भी देखने को आ रहा है। इस विरोध का संदेश साफ है कि लोग अब उन बड़े फैसलों पर अपनी राय रखना चाहते हैं, जिनका असर उनके जीवन पर सीधा पड़ता है। इसी तरह, भारत में भी महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्य आज इस मुद्दे को लेकर अहम मोड़ पर खड़े नजर आते हैं।

निस्संदेह, बड़े डेटा सेंटर प्रस्ताव निवेश की महत्वाकांक्षी पहल के साथ डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत कर सकते हैं। इससे रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। लेकिन इसके बावजूद कंपनियों को संसाधनों के प्रबंधन के जवाबदेह तौर-तरीकों को प्राथमिकता देनी चाहिए। हर डेटा सेंटर परियोजना में तीन मुख्य पहलुओं पर ध्यान देना चाहिए, जिनमें व्यापार, समुदाय और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाया जाए। कंपनियों को ऊर्जा की खपत कम करने वाली तकनीकों, नवीकरणीय ऊर्जा और टिकाऊ कूलिंग सिस्टम को प्राथमिकता देनी चाहिए। वहीं, कम-से-कम पानी की खपत करने वाली तकनीकों में निवेश करना चाहिए।

आंध्र प्रदेश के भोगापुरम में हालिया स्थानीय निकाय चुनावों में दो किसान जीते, जिसकी मुख्य वजह यह थी कि डेटा सेंटरों को लेकर उनकी चिंताएं मतदाताओं को तार्किक लगीं। किसी भी परियोजना को मंजूरी मिलने से पहले वहां के निवासियों को संसाधनों की खपत, पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव और परियोजना से होने वाले आर्थिक लाभों की जानकारी दी जानी चाहिए। विकास कार्यों में स्थानीय लोगों को केवल मूकदर्शक मानने के बजाय उनकी अहम हिस्सेदारी होनी चाहिए। निस्संदेह, डेटा सेंटर भारत के डिजिटल भविष्य को गति देने में योगदान कर सकते हैं। लेकिन इनकी सफलता को केवल निवेश के आंकड़ों या कंप्यूटिंग क्षमता से ही नहीं मापा जा सकता। वास्तव में, यह देखा जाना चाहिए कि स्थानीय लोगों को कितने रोजगार मिले, वहां कितने संसाधनों की बचत की गई और इससे स्थानीय समुदायों को कितना संबल मिला। सही मायने में, किसी भी विकास का लाभ सभी हितधारकों को मिलना चाहिए, न कि केवल बड़ी तकनीकी कंपनियों को।

पारिस्थितिकीय तन्त्र से खेलती खनन कंपनियाँ : बेबस आदिवासी



डॉ देवेंद्र नाथ शर्मा, शिक्षाविद

यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है कि वनांचलों में खनन परियोजनाओं के विस्तार के नाम पर स्थानीय आदिवासी समुदायों के जीवन, आजीविका और अस्तित्व को लगातार संकट में डाला जा रहा है। विडंबना यह है कि न तो सरकार और न ही खनन कंपनियाँ इन संकटों के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता दिखाती हैं। खनन गतिविधियों के कारण वन संपदा, जलस्रोतों और पर्यावरण को होने वाली अपूरणीय क्षति की भी मानो किसी को चिंता नहीं है।



स्थिति इससे भी अधिक गंभीर तब हो जाती है, जब पहाड़ों, नदियों और जंगलों को अपनी जीवन-संस्कृति तथा आस्था का अभिन्न हिस्सा मानने वाले आदिवासी समुदाय की भावनाओं और अधिकारों को दरकिनार कर दिया जाता है। पेसा कानून के प्रावधानों के बावजूद कई बार ग्रामसभाओं की वास्तविक असहमति और स्थानीय समुदाय के हितों की अनदेखी करते हुए जोड़-तोड़ तथा दबाव के जरिए कागजों पर सहमति दर्शाकर खनन परियोजनाओं को मंजूरी दे दी जाती है। सवाल यह है कि विकास के नाम पर आदिवासियों की सहमति, उनके अधिकार और उनके अस्तित्व को आखिर कब तक कुचला जाता रहेगा?

इसका ताजा और बेहद चिंताजनक उदाहरण बैलाडीला के नंदराज पहाड़ स्थित खदान डिपॉजिट-14 का है। यहाँ खनन से निकला और डंप लगभग पाँच लाख मीट्रिक टन खदान का अपशिष्ट मलवा पहाड़ को चीरता हुआ नीचे की ओर लुढ़ककर कीड़ेंगर नाले में समा गया है। यह वही नाला है, जिसके जल पर स्थानीय आदिवासी समुदाय अपनी पेयजल और दैनिक निस्तार की जरूरतों के लिए निर्भर रहा है। यही जलस्रोत आसपास के वन्यजीवों और पशु-पक्षियों की प्यास बुझाने का भी प्रमुख आधार रहा है।

आज यह जीवनदायी जलस्रोत भारी मात्रा में लाल मिट्टी, पत्थर सहित खनन मलवे से पट चुका है। लगभग 150 मीटर चौड़ाई और दो किलोमीटर तक फैले इस मलवे के कारण नाले का प्राकृतिक प्रवाह और पूरा जलतंत्र प्रभावित हुआ है। स्थिति की गंभीरता यह है कि मलवे का धसकना अभी भी जारी है, जिससे क्षेत्र में भूगर्भीय अस्थिरता और नए खतरे पैदा होने की आशंका बनी हुई है।

इसका दुष्परिणाम केवल जलस्रोत तक सीमित नहीं है। स्थानीय वन्यजीवों, पक्षियों और पालतू पशुओं के सामने जीवन का संकट खड़ा हो गया है। नाले में पहले से मौजूद जलीय जीव मलवे के नीचे दबकर अथवा जल आवास नष्ट होने के कारण जीवन खो चुके हैं। पूरे क्षेत्र का पारिस्थितिक तंत्र गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है। जंगल, जलस्रोत और वन्यजीवों के बीच बना प्राकृतिक संतुलन बुरी तरह बाधित हुआ है।

समस्या का एक और भयावह पहलू स्थानीय आदिवासी बस्तियों का शेष क्षेत्र से कट जाना है। लोहागांव सहित कई गांव इस मलवे के फैलाव और उससे पैदा हुई बाधाओं के कारण चारों ओर से घिर गए हैं। लोहागांवझिकरिंदुल मुख्य मार्ग बाधित हो गया है। ग्रामीणों का सामान्य आवागमन बाधित हो गया है। पेयजल, दैनिक उपयोग की वस्तुओं, राशन और चिकित्सा सुविधाओं तक उनकी पहुँच और आजीविका एवं रोजमर्रा की गतिविधियां संकट में पड़ गई हैं। राशन की दुकानों, बाजारों और स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुँचने के रास्ते अवरुद्ध होने से इन गांवों के लोगों के सामने रोजमर्रा के जीवन का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

ऐसी स्थिति में पहाड़ चढ़कर आना-जाना ही यदि एकमात्र विकल्प रह गया है, तो उन बुजुर्गों, दिव्यांगों, बीमारों, गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों का क्या होगा, जिनके लिए इस दुर्गम रास्ते से गुजरना लगभग असंभव है? आपातकालीन चिकित्सा की जरूरत पड़ने पर उन्हें अस्पताल कैसे पहुँचाया जाएगा? क्या सरकार और प्रशासन ने इन मानवीय परिस्थितियों पर गंभीरता से विचार किया है?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि राजस्व और खनिज उत्पादन बढ़ाने की होड़ में सरकार आदिवासियों के जीवन और प्रकृति के अस्तित्व को आखिर क्यों दांव पर लगा रही है?

केंद्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रम एनएमडीसी से यह पूछा जाना चाहिए कि खनन के दौरान निकले इतने विशाल मात्रा के मलवे को नीचे नाले और आसपास के प्राकृतिक जलस्रोतों में गिरने से रोकने के लिए क्या सुरक्षा इंतजाम किए गए थे? क्या मलवे के सुरक्षित निस्तारण और पहाड़ की भूगर्भीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक वैज्ञानिक एवं तकनीकी उपाय किए गए थे? यदि किए गए थे, तो फिर इतनी बड़ी मात्रा में मलवा नीचे कैसे आ गया? इस घटना के लिए जिम्मेदारी किसकी है और जवाबदेही किसकी तय होगी?

इसके साथ ही यह भी जानना जरूरी है कि इस आकस्मिक संकट से स्थानीय आदिवासी समुदाय को तत्काल राहत पहुँचाने के लिए एनएमडीसी और जिला प्रशासन क्या कदम उठा रहे हैं? क्या प्रभावित गांवों में सुरक्षित पेयजल, खाद्यान्न, चिकित्सा सुविधा और आवागमन के वैकल्पिक साधनों की व्यवस्था की गई है? क्या प्रभावित परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कोई ठोस कार्ययोजना बनाई गई है?

यह केवल खनन मलवे के धसकने की घटना नहीं है। यह आदिवासी जीवन, उनके जल-जंगल-जमीन के अधिकारों, पर्यावरणीय न्याय और सरकारी जवाबदेही से जुड़ा गंभीर प्रश्न है।

विकास की कीमत यदि स्थानीय समुदायों को अपने जलस्रोत, जंगल, आजीविका और जीवन की सुरक्षा खोकर चुकानी पड़े, तो ऐसे विकास की अवधारणा पर पुनर्विचार आवश्यक है।

सरकार को तत्काल प्रभावित आदिवासी परिवारों को इस संकट से उबारने, उनके जीवन की बुनियादी जरूरतें सुनिश्चित करने और पर्यावरणीय क्षति की भरपाई के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। साथ ही इस घटना की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष वैज्ञानिक जाँच कराकर जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित कंपनी की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

आखिर आदिवासियों को अपने ही जंगल और पहाड़ों में सुरक्षित जीवन जीने का अधिकार कब मिलेगा? और सरकार उनकी इस पीड़ा के प्रति कब संवेदनशील होगी?

साहित्य सृजन संस्थान की वृंदावन हॉल में 51 कवियों का काव्य पाठ, 21 कवि सम्मानित

कवियों से संध्या काव्य पाठ में समा बांधा – डॉ . बीना सिंह की रचना "कहां गया वो गांव रे" ने जीता दिल



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

साहित्य सृजन संस्थान की वृंदावन हॉल रायपुर में 51वीं काव्य संध्या में 51 कवियों ने काव्य पाठ किया। इस अवसर पर 21 कवियों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में सदस्यों के मध्य स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के लिए मनोचिकित्सक डॉ. प्रखर शर्मा का व्याख्यान एवं प्रश्नोत्तर भी हुआ।

कार्यक्रम में संरक्षक डॉ. संजय अलंग, विशेष अतिथि मनोचिकित्सक डॉ. प्रखर शर्मा, वरिष्ठ साहित्यकार उमाशंकर मिश्र, बिलासपुर और प्रख्यात कवयित्री श्रीमती संतोष झांझी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वीर अजीत शर्मा ने की, जबकि सफल संचालन उमेश कुमार सोनी नयन ने किया।

काव्य संध्या में वरिष्ठ साहित्यकार राजकुमार धर द्विवेदी, हबीब खान समर, विपुल तिवारी, सुरेश कुमार खारियार, राजकुमार शर्मा, विक्रम शर्मा, सुनील शर्मा, श्वेता शर्मा, ईशा सेन, साक्षी सेन, डॉ. बीना सिंह रागी, वासुदेव कन्नौजे, जे एस उर्कुकर, संजीव ठाकुर, सेवंत देशमुख, हिमाचल कुमार, मनोज शुक्ला, प्रदीप कुमार मिश्र, संजय देवांगन सहित अनेक कवियों ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं का मन जीत लिया।



बंछोर, तोरण दास मानिकपुरी, ओमप्रकाश जैन, उपेंद्र बंछोर, एम एन प्रसाद, चंद्र शेखर प्रसाद, दाऊ उमराव सिंह वर्मा, बेमेतरा, सतीश गुप्ता, राममूरत शुक्ला, अशोक

कवियों की चुनिंदा प्रस्तुतियां

कहां गया वो गांव रे
ठंडी ठंडी छांव रे
मंजिल ढूंढे पांव रे
छूटा मेरा ठांव रे
कहां गया वो गांव रे
- डॉ. बीना सिंह रागी

आज के दिन यहाँ रोशनी तो मिले।
चाँद गर ना सही चाँदनी तो मिले।
- दशरथ सिंह भुवाल, सोनपांडर भिलाई

रिश्तों की नींव केवल परिचय या संवाद नहीं होती,
हर निकटता के पीछे विचारों की एक डोर होती।
- श्वेता शर्मा

मैं सुकूं से हूं न आप हलचल मचाइये
तन्हाइयों में खुश हूं न महफिल सजाइये
इन आँखों में नशा नहीं लाली है दर्द की
छलकती आँख में नहीं काजल लगाइये
- संतोष झांझी

कहानी में कहानी ढूंढता है
मोहब्बत की निशानी ढूंढता है
जवानी में तू बचपन ढूंढता था
बुढ़ापे में जवानी ढूंढता है।
- इरफानुद्दीन इरफान

केशव तेरी कैसी कहानी हो गई
के राधा मीरा रुक्मिणी दीवानी हो गई !!
- सुनंदा शर्मा

सत्य पराजित भले न होता, परेशान अति होता,
नीतिवान पीड़ाएं सहता, ढोता जीवन रोता।
- राजकुमार धर द्विवेदी

भर लूँ अंतस में उजास, आज मैं दीपक जला लूँ,
पूर्ण हो मन की हर आस, आज दीवाली मना लूँ।
- शुभ्रा ठाकुर

सागर सुता लक्ष्मी जहाँ, बरसै धन की धार।
रूप तेज सुख सम्पदा, सब जग की आधार ॥
- पं. आराध्या शर्मा

ना झुकेगी लेखनी, ना थमेगी ये वाणी,
चेतना की ज्योत है मेरी हर स्वरागिनी।
- अंजू पाण्डेय अभ्रु

चंद लम्हों की मुझमें कमी ठीक है।
बिन तुम्हारे भी ये जिंदगी ठीक है।
- राकेश तिवारी

वंदन-अभिनंदन दीप तुम्हारा
जीवन का अर्थ बताते हो
- यशवंत कुमार वसुवेदी

मुखौटों की सेल लगी है
शहर के हर माल में
- सुनीता वैष्णव वेरागी

सुषमा जी की रचनाओं पर रूनाली चक्रवर्ती ने कहा कि जब सुषमा लिखती हैं तो ऐसा लगता है जैसे शब्द खुद चलकर उनके पास आ जाते हों।

कार्यक्रम के अंत में सभी कवियों को बधाई दी गई और काव्य संध्या को सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया गया।

वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्मीनारायण लहरे

सू- दोकू क्र.58

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.57 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

मनीला से मुंबई तक : बदलती विश्व व्यवस्था में भारत का नया कूटनीतिक क्षितिज

अशोक भाटिया

इतिहास की धारा जब करवट लेती है, तो भौगोलिक दूरियां सिमटने लगती हैं और सामरिक समीकरण नए सिरे से परिभाषित होते हैं। फिलीपींस की राजधानी मनीला में संपन्न हुए 23वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन, 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन और सातवें क्वाड शिखर सम्मेलन की गूंज केवल दक्षिण-पूर्व एशिया या प्रशांत महासागर की लहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इक्कीसवीं सदी के उस नए शक्ति-संतुलन की उद्घोषणा है, जिसके केंद्र में भारत खड़ा है। कन्याकुमारी के तटों से लेकर कश्मीर की वादियों और पूर्वोत्तर के प्रवेश द्वारों तक, आज भारत की विदेश नीति का प्रभाव केवल कूटनीतिक गलियारों की चर्चा नहीं रह गया है, बल्कि यह देश के विभिन्न राज्यों के आर्थिक विकास, समुद्री सुरक्षा, पर्यटन और आम नागरिक की समृद्धि का सीधा आधार बन चुका है। मनीला में भारत की सक्रिय और निर्णायक उपस्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नई दिल्ली अब वैश्विक मंचों पर केवल एक श्रोता या प्रतिक्रिया देने वाला राष्ट्र नहीं है, बल्कि वह नियम-आधारित विश्व व्यवस्था का एक प्रमुख शिल्पकार बन चुका है।



मनीला का यह मंच ऐतिहासिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्ष 2007 में यहीं पहली बार भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों ने एक अनौपचारिक संवाद की नींव रखी थी, और 2017 में यहीं से क्वाड का पुनर्जन्म हुआ था। लगभग एक दशक बाद, जब 17 नवंबर 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज एक साथ एक मंच पर आए, तो यह दो वर्षों के अंतराल के बाद क्वाड के शीर्ष नेतृत्व का पुनर्मिलन भर नहीं था। यह उस भू-राजनीतिक अनिश्चितता का ठोस जवाब था, जो पिछले कुछ समय से वैश्विक व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला और समुद्री मार्गों पर मंडरा रही थी। पहली बार क्वाड के किसी गैर-सदस्य देश में आयोजित हुए इस शिखर सम्मेलन ने यह संदेश दिया कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र की शांति और स्थिरता किसी एक महाशक्ति के एकाधिकार या दबाव की राजनीति की मोहताज नहीं हो सकती।

इस पूरे घटनाक्रम में भारत की सबसे बड़ी कूटनीतिक सफलता संतुलन और स्वायत्तता की कला का प्रदर्शन है। एक तरफ भारत ने क्वाड के मंच से समुद्री और आर्थिक दबाव तथा यथास्थिति को बलपूर्वक बदलने के एकतरफा प्रयासों के विरुद्ध स्पष्ट और मुखर रुख अपनाया, तो दूसरी तरफ आसियान की केंद्रीयता और एकता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराई। विश्व के कई हिस्से जब गुटबाजी, युद्ध और संरक्षणवाद की आग में झुलस रहे हैं, तब भारत ने मनीला के मंच से पूरी दुनिया को शांति, स्थिरता और पुनर्नियमेयता का मंत्र दिया। यह भारत की बहु-संरेखण नीति की परिपक्वता है कि वह एक ही समय में अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर हिंद-प्रशांत की सुरक्षा सुनिश्चित करता है, और दक्षिण-पूर्व एशिया के दस देशों के साथ अपनी एक्ट ईस्ट नीति को नई ऊर्जा प्रदान करता है।

आर्थिक और सामरिक दृष्टि से देखें तो भारत और आसियान का संबंध आज किसी भी क्षेत्रीय साझेदारी से कहीं आगे निकल चुका है। वर्ष 2026 को आसियान-भारत समुद्री सहयोग वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है, और मनीला में इस दिशा में दीर्घकालिक कार्ययोजना पर मुहर लगी है। भारत के कुल वैश्विक व्यापार का दस प्रतिशत से अधिक हिस्सा आसियान देशों के साथ होता है, जो सवा सौ अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर चुका है। हालांकि, भारत के लिए चिंता का विषय व्यापार घाटा रहा है, जिसे पाटने के लिए अब पारंपरिक वस्तुओं के व्यापार से आगे बढ़कर नई तकनीक, डिजिटल अर्थव्यवस्था और क्रिटिकल मिनरल्स यानी महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। आधुनिक युग में लिथियम, कोबाल्ट और दुर्लभ मृदा खनिज ही किसी देश की औद्योगिक और तकनीकी संप्रभुता तय करते हैं। किसी एक देश पर इन खनिजों की निर्भरता वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए कितना बड़ा जोखिम बन सकती है, यह दुनिया देख चुकी है। ऐसे में भारत द्वारा आसियान और क्वाड दोनों ही मंचों पर महत्वपूर्ण खनिजों के खनन, प्रसंस्करण और सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला के निर्माण का प्रस्ताव रखना दूरदर्शी कदम है।

इस वैश्विक कूटनीति का सबसे आकर्षक पक्ष इसका क्षेत्रीय और स्थानीय प्रभाव है, जो देश के दक्षिणी तटों से लेकर उत्तरी मैदानों तक नई संभावनाओं के द्वार खोल रहा है। दक्षिण भारत के तटीय राज्यों—तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक—के लिए मनीला के समझौते किसी वरदान से कम नहीं हैं। हिंद महासागर में बिछाई जाने वाली अंडरसी केबल (समुद्र के भीतर संचार केबल) परियोजनाएं और हिंद-प्रशांत समुद्री निगरानी सहयोग चेन्नई, विशाखापत्तनम, कोच्चि और मंगलुरु जैसे प्रमुख बंदरगाहों को वैश्विक समुद्री व्यापार और डेटा ट्रांसफर का सबसे सुरक्षित केंद्र बनाएंगे। चोल साम्राज्य के समय से ही दक्षिण भारत के बंदरगाह दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ व्यापार और संस्कृति के सेतु रहे हैं। अब आधुनिक समुद्री सुरक्षा, नीली अर्थव्यवस्था और जहाजरानी के नए समझौतों से इन तटीय राज्यों में बंदरगाह-आधारित औद्योगिकीकरण और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। वहीं, पश्चिमी तट पर स्थित देश की आर्थिक राजधानी मुंबई जब 2027 की पहली तिमाही में पहले ह्यवाइट बिजनेस लीडर्स फोरम की मेजबानी करेगी, तो यह पूरे देश के उद्योग जगत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के केंद्र में ला खड़ा करेगी।

दूसरी ओर, उत्तर और पूर्वोत्तर भारत के राज्यों के लिए यह कूटनीतिक पहल संपर्क शिक्षा और धार्मिक-सांस्कृतिक पर्यटन की नई क्रांति लेकर आ रही है। मनीला में भारत द्वारा सभी आसियान देशों के पर्यटकों के लिए निःशुल्क ई-टूरिस्ट वीजा की एकतरफा घोषणा का सीधा और सबसे बड़ा लाभ उत्तर भारत के पर्यटन सर्किट को मिलने वाला है। दक्षिण-पूर्व एशिया के लाखों नागरिकों के लिए भारत की भूमि केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि आस्था और विरासत का केंद्र है। बिहार के बोधगया, राजगीर और वैशाली से लेकर उत्तर प्रदेश के सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती और अयोध्या तक फैला बौद्ध और रामायण सर्किट आसियान पर्यटकों के स्वागत के लिए नए सिरे से तैयार हो रहा है। मुफ्त ई-वीजा की सुविधा से न केवल उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और दिल्ली के होटल उद्योग, परिवहन और स्थानीय हस्तशिल्प को अभूतपूर्व आर्थिक संबल मिलेगा, बल्कि सदियों पुराने सभ्यतागत संबंध भी पुनर्जीवित होंगे। इसके अतिरिक्त, बिहार स्थित प्राचीन ज्ञान केंद्र नालंदा विश्वविद्यालय में आसियान छात्रों के लिए छात्रवृत्तियों के विस्तार से उत्तर भारत एक बार फिर वैश्विक शिक्षा का केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर होगा। इसी तरह, भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग और कलादान मल्टीमॉडल ट्रांजिट प्रोजेक्ट जैसी परियोजनाएं पूर्वोत्तर भारत को दक्षिण-पूर्व एशिया के बाजारों से जोड़कर क्षेत्रीय विकास की नई इबारत लिख रही हैं।

प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर भारत ने स्वयं को केवल तकनीक का उपभोक्ता बने रहने के बजाय सह-निर्माता के रूप में प्रस्तुत किया है। क्वाड द्वारा सुपर इंटेलिजेंस एक्सेलरेटर को आगे बढ़ाना और भारत-आसियान के बीच स्पेस हैकाथॉन, परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग पर तकनीकी आदान-प्रदान तथा साइबर फोरेंसिक प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत करना इस बात का प्रमाण है कि बेंगलुरु और हैदराबाद से लेकर दिल्ली-एनसीआर और पुणे तक फैला भारत का आईटी और स्टार्टअप इकोसिस्टम अब वैश्विक भलाई के लिए अपनी क्षमताओं को साझा कर रहा है। आज ऑनलाइन ठगी और साइबर अपराध सीमाओं से परे एक वैश्विक संकट बन चुके हैं। पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में ऑनलाइन घोटालों के विरुद्ध संयुक्त घोषणापत्र को अपनाना और साइबर सुरक्षा में सहयोग बढ़ाना सीधे तौर पर देश के हर आम नागरिक की डिजिटल सुरक्षा से जुड़ा हुआ कदम है।

समग्र रूप से देखें तो मनीला शिखर सम्मेलन ने भारत की विदेश नीति के उस आत्मविश्वास को रेखांकित किया है, जो अपनी जड़ों से जुड़े रहकर पूरे विश्व को गले लगाने की क्षमता रखता है। यह स्पष्ट है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा, वैश्विक व्यापार मार्गों की स्वतंत्रता और उभरती प्रौद्योगिकियों के लोकतांत्रिक उपयोग की कोई भी रूपरेखा अब भारत की सक्रिय भागीदारी के बिना अधूरी है। हालांकि, चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं। बदलते वैश्विक राजनीतिक समीकरणों के बीच क्वाड की एकजुटता को बनाए रखना, आसियान के साथ व्यापार असंतुलन को दूर करना और घोषित परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारना भारतीय कूटनीति की अगली बड़ी परीक्षा होगी। फिर भी, मनीला से मुंबई तक की यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि भारत अब समय की लहरों पर सवार होने के बजाय स्वयं दिशा तय करने की भूमिका में आ चुका है, जिसका सकारात्मक प्रभाव दक्षिण के बंदरगाहों से लेकर उत्तर के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों तक हर नागरिक के भविष्य पर दिखाई देगा।



टाइप कास्टिंग तोड़ना हम एक्टर्स के हाथ नहीं

हिंदी सिनेमा में निरूपा राय, रीमा लागू, फरीदा जलाल जैसी अदाकाराओं ने मां की भूमिका को पर्दे पर अमर बनाया है। इसी कड़ी में अब ऐक्ट्रेस आयशा रजा मिश्रा भी बॉलिवुड की चहेती मां बन चुकी हैं। वीरे दी वेडिंग, तू झूठी मैं मक्कार, गुंजन सक्सेना : द कारगिल गर्ल, सोनू की टीटू की स्वीटी जैसी कई चर्चित फिल्मों में मां की यादगार भूमिका निभाने वाली आयशा रजा इन दिनों अपनी फैमिली फिल्म मीठे में क्या है में भी मम्मी अमृता के किरदार के लिए चर्चा में हैं। हालांकि, प्रतिभावान ऐक्ट्रेस होने के बावजूद लगातार मां के रूप में टाइपकास्ट होने पर वह कहती हैं, 'ये टाइप कास्टिंग तोड़ना हम ऐक्टर्स के हाथ में नहीं है। इसके लिए किसी डायरेक्टर को आप पर भरोसा जताकर वो अलग किरदार देना पड़ेगा।'

काम को लेकर नाशुक्रा नहीं होना चाहिए

बकौल आयशा रजा मिश्रा, 'मैं अक्सर मनोज भाई (मनोज पाहवा) का उदाहरण देती हूं, क्योंकि उनको भी बहुत समय तक पंजाबी, कॉमिडी अंकल वाले रोल में टाइपकास्ट किया गया। हम साथ में कई फिल्में करते हैं तो हम यही रोते रहते हैं कि मैं पंजाबी मम्मी, वो पंजाबी पापा। हम आपस में यह बहुत डिस्कस करते हैं। फिर अनुभव सिन्हा जैसे डायरेक्टर फिल्म मुल्क में मनोज पाहवा को ऐसे रोल में लेते हैं कि सारे प्रडयूसर कहते हैं कि वह बहुत बड़ी गलती कर रहे हैं। ऑडियंस उन्हें इस रोल में एक्सेप्ट ही नहीं करेगी, क्योंकि लोगों की नजर में वह कमीडियन हैं, मगर अनुभव सिन्हा ने कहा कि मैं जानता हूं कि मनोज कितना कमाल का अभिनेता है और मेरे लिए वह क्या कर सकता है। वही हुआ, लेकिन आपको वह एक डायरेक्टर चाहिए जिसमें वो विजन हो और जो आप पर वह भरोसा जताए।'

स्टेज पर भड़ास निकालेंगे

उन्होंने आगे कहा, 'इसके बावजूद, मैंने अपने पति (ऐक्टर कुमुद मिश्रा) से सीखा है कि आपको कभी भी नाशुक्रा नहीं होना चाहिए। हम कम से कम काम कर रहे हैं, जबकि हमसे कहीं ज्यादा टैलंटेड ऐक्टर्स सिर्फ एक मौके का इंतजार कर रहे हैं। हमें कम से कम इतने मौके मिल रहे है तो उसे सर्वश्रेष्ठ ढंग से निभाइए। उसे एंजॉय कीजिए और उसी में कुछ नया करने की कोशिश कीजिए। बाकी तकदीर अच्छी रही तो अलग रोल भी मिलेंगे और अगर नहीं मिले तो हमारे पास स्टेज है। हम वहां अपनी भड़ास निकालेंगे। मगर हम उस स्थिति में हैं कि हमें काम मिल रहा है, वो भी एक आशीर्वाद है। आप किलसकर, दुखी होकर काम नहीं कर पाएंगे।'

घर की मजबूत औरतों का रहा प्रभाव

आयशा रजा जोहरा सहगल और उजरा बट जैसी दिग्गज अदाकाराओं की नवासी हैं। इन सशक्त महिलाओं का उन पर कितना प्रभाव रहा? यह पूछने पर वह कहती हैं, 'बहुत प्रभाव पड़ा। मेरी नानी और दादी दोनों कामकाजी थीं। मेरी दादी बीबीसी उर्दू सर्विस की दुनिया की पहली महिला न्यूज रीडर थीं। मेरी नानी हाजरा बेगम एक स्वतंत्रता सेनानी थीं। प्रगतिशील लेखक संघ की सदस्या थीं। मेरे घर में कृशन चंदर, कैफी आजमी अक्सर आया करते थे तो मैं वो देखकर बड़ी हुई हूं। मेरी नानी की दो बहनें थीं, जोहरा सहगल और उजरा बट, जो पर्दा करने वाले परिवारों से थीं।'

रूढ़िवादी परिवार से निकलकर रास्ता बनाया

उन्होंने कहा, 'उस रूढ़िवादी परिवार से निकलकर उन्होंने कहा कि हमें डांसर बनना है। हमें ऐक्टिंग करनी है। हम थिएटर करना चाहते हैं। फिर जोहरा ने अपने पिता से कहा कि मुझे एक हिंदू लड़के से शादी करनी है जो मुझसे 8 साल छोटा है। सन 1930 में इस बात के लिए राजी होना बड़ी बात थी। फिर मेरी मां ने अपनी मौसी लोगों को देखकर थिएटर किया, ऐक्टर बनी, तो मेरे लिए तो सारे रास्ते पहले से खुले हुए थे। सच कहूं तो मुझे लगता है कि मैं इतना कुछ नहीं कर पाई हूं क्योंकि उन लोगों ने मेरे लिए सारे दरवाजे रख दिए थे तो मेरे लिए ज्यादा मसला है कि मैं अपने लिए नई चुनौतियां ढूंढ़ूं। अपने को एक्सप्लोर कर पाऊं, तो उनकी ये विरासत मेरे लिए बहुत अहम है।'



'ईठा' के गाने 'जी जी रे जी' के लिए श्रद्धा कपूर ने पारंपरिक डांस फॉर्म लावणी सीखा

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर अपनी आने वाली फिल्म 'ईठा' के गाने 'जी जी रे जी' में लावणी करती नजर आएंगी। इस गाने के लिए उन्होंने महाराष्ट्र के पारंपरिक डांस फॉर्म लावणी को सीखा और उसकी बारीकियों को समझने की कोशिश की। श्रद्धा ने इसे अपने लिए बेहद रोमांचक अनुभव बताया। उनका कहना है कि लावणी की लय, हाव-भाव और ऊर्जा ऐसी है, जो सीधे दर्शकों से जुड़ती है, हालांकि इस गाने के जरिए एक दिग्गज कलाकार की दुनिया में कदम रखना उनके लिए जितना खास था, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी रहा। श्रद्धा कपूर ने गाने को लेकर कहा, ''ईठा के किरदार में 'जी जी रे जी' पर परफॉर्म करना मेरे लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा। लावणी में कुछ ऐसा है, जो आपको तुरंत अपनी ओर खींच लेता है। इसकी लय, हाव-भाव, ऊर्जा और दर्शकों से जुड़ने का अंदाज बहुत खास है। मुझे इस गाने के जरिए एक महान कलाकार की दुनिया में कदम रखना बहुत अच्छा लगा, लेकिन इसे लेकर मन में डर भी था।'' उन्होंने कहा, ''इस गाने के पीछे एक बहुत खास कहानी है, जो उस महान कलाकार की जिंदगी में एक बड़ा मोड़ लेकर आती है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस गाने के जरिए उस कहानी को पर्दे पर उतारने के लिए की गई हमारी मेहनत को महसूस कर पाएंगे।''

फिल्म के म्यूजिक को तैयार करने वाले मशहूर संगीतकार जोड़ी अजय-अतुल ने बताया कि 'ईठा' जैसी फिल्म में संगीत सिर्फ बैकग्राउंड तक सीमित नहीं रह सकता। उसे किरदारों, कहानी की दुनिया और भावनाओं का हिस्सा बनना जरूरी है। 'जी जी रे जी' फिल्म 'ईठा' का पहला गाना है, जिसके जरिए दर्शकों को फिल्म की रंगीन और संगीतमय दुनिया की पहली झलक देखने को मिलेगी। इस गाने को राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संगीतकार जोड़ी अजय-अतुल ने कंपोज और प्रोड्यूस किया है।



मुरैमामन विवाद पर कीर्ति सुरेश ने दी सफाई

अभिनेत्री कीर्ति सुरेश आगामी तमिल कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'सत्यवान सावित्री' में युवा वकील की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान अभिनेत्री ने सीरीज 'अक्का' के प्रमोशन के दौरान राधिका आप्टे द्वारा दक्षिण भारत में प्रचलित मुरैमामन प्रथा को लेकर दिए गए बयान पर सफाई दी। दरअसल, नेटफ्लिक्स सीरीज 'अक्का' के प्रमोशन के दौरान अभिनेत्री राधिका आप्टे ने कीर्ति सुरेश के साथ एक इंटरव्यू में एक तेलुगु फिल्म का अनुभव शेयर किया था, जिसमें उन्होंने फिल्म के अनुभव को अपने करियर का सबसे मुश्किल किरदार बताया, जिसमें उनके किरदार को अपने मामा से शादी करनी थी। उन्होंने कहा कि उन्हें उस अनुभव की हर बात नापसंद थी और एक पितृसत्तात्मक माहौल में अपने से काफी बड़े अभिनेता के साथ रोमांस करना उनके लिए सबसे कठिन रहा। प्री-रिलीज इवेंट में कीर्ति सुरेश से पूछा गया था कि वो खुद को किस फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा मानती हैं क्योंकि उन्होंने तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में काम किया है। एक्ट्रेस ने जैसे ही साफ किया कि वो खुद को एक साउथ एक्ट्रेस मानती हैं, कीर्ति सुरेश का ध्यान हाल ही में एक्ट्रेस राधिका आप्टे के साथ दिए गए उनके एक जॉइंट इंटरव्यू की तरफ दिलाया गया, जिसमें राधिका के एक सवाल के जवाब में दक्षिण भारत में प्रचलित मुरैमामन संस्कृति (चाचा द्वारा अपनी भतीजी से शादी करने की प्रथा) का जिक्र किया गया था। सोशल मीडिया पर तेलुगु और तमिल सिनेमा के फैंस ने इस जवाब की आलोचना की थी क्योंकि कई लोगों को लगा था कि इसका लहजा नीचा दिखाने वाला था। कीर्ति सुरेश से पूछा गया कि जब वे खुद को साउथ सिनेमा की एक्ट्रेस मानती हैं, तो उन्होंने चीजों को सही तरीके से समझाने के लिए आगे आकर कदम क्यों नहीं उठाया, जिसके बाद अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि शुरुआत में उन्हें समझ नहीं आया था कि राधिका आप्टे फिल्म में मामा से शादी करने की बात किस संदर्भ में कह रही हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें बाद में अहसास हुआ कि राधिका एक सांस्कृतिक परंपरा का जिक्र कर रही हैं। कीर्ति सुरेश ने कहा, 'सच कहूं तो शुरुआत में मुझे समझ ही नहीं आया कि वो क्या कह रही हैं और फिर मुझे समझ आया कि वो हमारी संस्कृति के बारे में बात कर रही हैं। जैसे ही मुझे एहसास हुआ कि उन्हें इस संस्कृति के बारे में पता नहीं है, मैंने समझाने की कोशिश की कि ये दक्षिण भारत की एक संस्कृति है।' इवेंट के दौरान जब एक्ट्रेस को उनके इस जवाब के बारे में बताया गया कि ये प्रथा सिर्फ तमिल और तेलुगु में है लेकिन मलयालम में नहीं, तो उन्होंने कहा, 'हां, मैंने ऐसा कहा था। मैं संस्कृति की बात कर रही थी क्योंकि वो संस्कृति केरल में नहीं है। पूरे सम्मान के साथ क्योंकि मैं वहां की संस्कृति को कभी नीचा नहीं दिखाऊंगी।'

उन्होंने कहा, 'मैं उन्हें ये साबित नहीं कर सकती कि ये एक परंपरा है और आप इसके बारे में बात नहीं कर सकते। इसलिए मैंने उन्हें समझाने की कोशिश की, ये कहते हुए कि ऐसा तमिलनाडु और आंध्र में होता है।

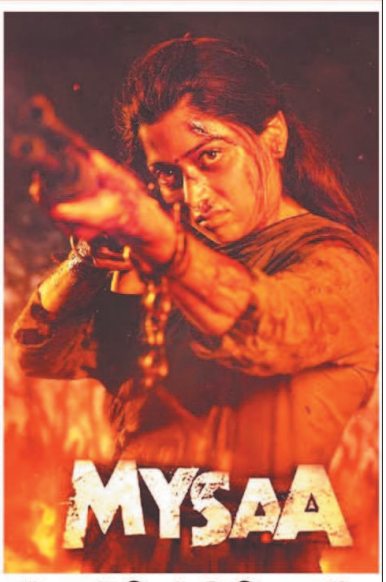

मैसा में दिखेगी पिता और बेटी के रिश्ते की दिल छू लेने वाली कहानी

मैसा में रश्मिका मंदाना बिल्कुल नए और पहले कभी नहीं देखे गए अंदाज में नजर आएंगी। यह भारत की पहली महिला-केंद्रित पैन-इंडिया फिल्मों में से एक है, जिसमें जबरदस्त एक्शन के साथ पिता और बेटी के रिश्ते की दिल छू लेने वाली कहानी भी देखने को मिलेगी। यह फिल्म 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म के हाल ही में रिलीज हुए टीजर को देश भर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। दर्शकों से लेकर आलोचकों तक से फिल्म ने अपनी रॉ एनर्जी, ग्रैंड स्केल और इंटेंस एटमॉस्फियर के लिए खूब तारीफ अपने नाम की है। सबसे ज्यादा खास बात यह है कि इस चीज ने मैसा को एक अनोखे सिनेमैटिक कहानी में स्थापित कर दिया है। बहुत सी भारतीय फिल्म मास एक्शन ड्रामा की कहानी में मजबूत मां और बेटे के रिश्ते को दिखाती है, जैसे बाहुबली और चत्रक्ष, लेकिन मैसा इससे अलग है क्योंकि इसमें मेकर्स नए और एक मजबूत भावनात्मक पक्ष को पेश करने वाले हैं।

दरअसल, फिल्म में आदिवासी भूमि की पृष्ठभूमि पर बाप और बेटी के बीच की मजबूत जोड़ी देखने मिलने वाली है। मैसा की रिलीज में अब सिर्फ 9 दिन बचे हैं, ऐसे में इसे देखने को लेकर हर तरफ उत्साह सातवें आसमान पर पहुंच चुका है। उत्साह के सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए, मेकर्स ने एक नया पोस्टर रिलीज किया है जिसमें फिल्म की दुनिया की झलक देखी जा सकती है। फिल्म के गहरे इमोशंस को खुद में कैद करने वाले पोस्टर को शेयर करते हुए टीम ने लिखा है: बड़े पर्दे पर बाप और बेटी के खूबसूरत रिश्ते और उनके इमोशन्स को देखने के लिए अब सिर्फ 9 दिन बाकी हैं। मैसा 27 नवंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज।

नए पोस्टर ने फिल्म के लिए सही टोन सेट कर दिया है। जबसे, फिल्म का टीजर रिलीज हुआ है, तब से देश भर में मौजूद दर्शक इसकी चर्चा करने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। बहुत सी भारतीय फिल्म मास एक्शन ड्रामा की कहानी में मजबूत मां और बेटे के रिश्ते को दिखाती हैं, जैसे बाहुबली और चत्रक्ष, लेकिन मैसा इससे अलग है क्योंकि इसमें मेकर्स नए और एक मजबूत भावनात्मक पक्ष को पेश करने वाले हैं। दरअसल, फिल्म में आदिवासी भूमि की पृष्ठभूमि पर बाप और बेटी के बीच की मजबूत जोड़ी देखने मिलने वाली है।

मनोज बाजपेयी स्टारर सुधीर मिश्रा और अनुभव सिन्हा की फिल्म की पूरी हुई शूटिंग



मुंबई अनुभव सिन्हा के प्रोडक्शन में बनारस मीडिया वर्क्स के बैनर तले बनी यह मच अवेटेड फिल्म भारतीय इतिहास के कम जानें जाने वाले 21 दिनों की कहानी दिखाएगी। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और इसके साथ ही फिल्म ने एक बड़ा पड़ाव भी पार कर लिया है। सुधीर मिश्रा द्वारा डायरेक्टेड और अनुभव सिन्हा द्वारा प्रोड्यूस फीचर फिल्म की जबसे घोषणा हुई है, तब से प्रोजेक्ट के इर्दगिर्द दर्शकों का उत्साह बढ़ता हुआ देखने मिल रहा है। यह कहानी भारत की आजादी के पहले की है, उन 21 दिनों की जिसके बारे में शायद ही कोई जानता है। फिल्म में महात्मा गांधी का किरदार नेशनल अवॉर्ड विनर मनोज बाजपेयी पहली बार निभाते नजर आने वाले हैं। अब जब फैंस बेसब्री से बापू के किरदार में एक्टर को देखने का इंतजार कर रहे हैं, ऐसे में उनकी एक तस्वीर ऑनलाइन लीक हुई है।

स्टार्टअप की दुनिया और फिल्म इंडस्ट्री में काफी समानता



अभिनेता अमित साध ने फिल्मों में काम करते हुए कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। कभी किसी फिल्म ने उन्हें नई पहचान दी, तो कभी किसी प्रोजेक्ट से उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं मिले। अब वह बिजनेस रियलिटी शो 'कल के करोड़पति - शुभ लाभ' से जुड़े हैं। उनका मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री और स्टार्टअप की दुनिया भले ही अलग-अलग हों, लेकिन दोनों में मेहनत, जोखिम और अनिश्चितता काफी हद तक एक जैसी है। यहां भी लोग सालों तक अपने सपने पर काम करते हैं और फिर एक ऐसे मौके का इंतजार करते हैं, जो उनकी जिंदगी बदल सकता है। अमित साध इस शो में होस्ट और मेंटर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। शो से जुड़ने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने बताया कि यहां उन्हें स्टार्टअप फाउंडर्स, निवेशकों और उद्यमियों से सीधे मिलने और उनकी जिंदगी को करीब से समझने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि इन लोगों की कहानियां सुनकर उन्हें इंडस्ट्री में अपने सफर की याद आई।

अमित ने कहा, ''इस शो के लिए मुझसे प्रणव ने संपर्क किया था। वह चाहते थे कि मैं सिर्फ एक होस्ट बनकर शो का हिस्सा न बनूं, बल्कि अपने निजी सिद्धांतों और जीवन में अपनाए गए मूल्यों को भी इसमें लेकर आऊं। मुझे यह विचार पसंद आया और मैंने इस प्रोजेक्ट से जुड़ने का फैसला किया।'' शो के अनुभव को लेकर अमित ने कहा, ''मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा। स्टार्टअप फाउंडर्स, निवेशकों और उद्यमियों के साथ बातचीत के दौरान मुझे उनकी जिंदगी की कहानियों, संघर्ष और चुनौतियों को करीब से महसूस करने का मौका मिला। मैंने फिल्म इंडस्ट्री और स्टार्टअप की दुनिया, दोनों को एक ही नजर से देखा, क्योंकि दोनों जगह बहुत कुछ हिट और मिस पर निर्भर करता है। एक फिल्म आपको ऊपर उठा देती है, तो दूसरी आपको तोड़ भी सकती है।''

अभिनेता ने आगे कहा, ''स्टार्टअप फाउंडर्स को अपने आइडिया निवेशकों के सामने पेश करते देखकर मुझे उनके पीछे की मेहनत का अंदाजा हुआ। किसी बिजनेस आइडिया को एक प्रेजेंटेशन में समझाना आसान नहीं होता। उसके पीछे कई सालों की तैयारी, मेहनत और उम्मीदें जुड़ी होती हैं। जब मैंने इन लोगों को अपने काम के बारे में बताते देखा, तो मुझे लगा कि यह भी उनकी अपनी जिंदगी की कहानी है। जिस तरह एक अभिनेता किसी फिल्म के लिए लंबे समय तक मेहनत करता है, उसी तरह एक उद्यमी भी अपने आइडिया को हकीकत में बदलने के लिए लगातार कोशिश करता है।'' अमित ने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि 'कल के करोड़पति - शुभ लाभ' देशभर के दर्शकों से जुड़ पाएंगे। इस शो में सिर्फ बिजनेस और निवेश की बातें नहीं हैं, बल्कि इसमें लोगों के सपने, भावनाएं और सफलता पाने के लिए किए गए संघर्ष भी देखने को मिलेंगे।

314 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत 265 पर सिमटा

तिलक का शतक बेकार, पाकिस्तान से हारी इंडिया-ए

मध्यक्रम का साथ नहीं मिलने से टीम को 48 रन से मिली हार



नई दिल्ली। रविवार को एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में पाकिस्तान ए से 48 रन से हार के बाद भारतीय टीम के कप्तान तिलक वर्मा ने मध्य क्रम में साझेदारियों की कमी पर अफसोस जताया। 314 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, भारतीय टीम 129 रन पर छह विकेट खोकर मुश्किल में थी, लेकिन तिलक और शाहबाज अहमद ने सातवें विकेट के लिए 112 रनों की साझेदारी की। शाहबाज ने 41 गेंदों पर 56 रन बनाए, जबकि तिलक 149 गेंदों पर 100 रन बनाकर नाबाद रहे। हालांकि, उनका प्रयास काफी नहीं था और भारत 265 रनों पर ऑल आउट हो गया। तिलक का मानना था कि शाहबाज का आउट होना गलत समय पर हुआ, ठीक उसी समय जब दोनों बल्लेबाज स्कोर बढ़ाने की कोशिश कर रहे थे। उनका मानना था कि ऑलराउंडर द्वारा फेंके गए कुछ और ओवरों से मैच का रुख बदल सकता था। 'अभिषेक ने जिस तरह से शुरुआत की और बीच में शाहबाज ने जिस तरह से मेरे साथ साझेदारी की, वह निर्णायक साबित हुई। दुर्भाग्य से, जब हम तेजी से रन बनाना चाहते थे, तब शाहबाज आउट हो गए। वरना, अगर वह दो ओवर और टिक जाते, तो मैं मैच खत्म कर सकता था,' तिलक ने मैच के बाद कहा। उन्होंने कहा, 'दूसरे ओवर के पहले 10 ओवरों में थोड़ी स्विंग देखने को मिली। उन दोनों तेज गेंदबाजों को श्रेय जाता है जिन्होंने बेहतरीन लाइन और लेंथ से गेंदबाजी की। लेकिन साथ ही, बीच में हमने लगातार दो विकेट गंवा दिए। नहीं तो हम 47वें या 48वें ओवर में ही मैच जीत सकते थे।

भारत ए बनाम पाकिस्तान ए, राइजिंग स्टार्स एशिया कप के मुख्य अंश

अभिषेक शर्मा ने 42 गेंदों में 70 रन बनाकर भारत को शानदार शुरुआत दी, लेकिन उनके आउट होने के बाद मध्य क्रम के बल्लेबाजों पर काफी दबाव आ गया। भारतीय बल्लेबाज रन रेट बनाए रखने के लिए संघर्ष करते रहे, और पाकिस्तान के गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लिए। तिलक ने पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों के अनुशासित प्रयास की भी सराहना की, लेकिन उन्हें लगा कि भारत ने लगातार विकेट खोकर मैच को हाथ से जाने दिया।

'शतक बनाने के बावजूद, तिलक इसे अपने सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी प्रदर्शनों में से एक मानने को उत्सुक नहीं थे। भारतीय टीम के कप्तान के लिए, व्यक्तिगत प्रयास से कहीं अधिक परिणाम मायने रखता था। 'मैं ऐसा नहीं कहूंगा। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण है मैच जीतना। अगर मैं मैच नहीं जीतता, तो यह मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण नहीं है। लेकिन मैं हमेशा जितना हो सके उतना आगे तक जाना चाहता हूं। आज मैं उसी की तलाश में था। अगर कोई और बल्लेबाज मेरा साथ दे पाता, तो मैं मैच खत्म कर सकता था,' उन्होंने कहा। तिलक ने टीम की कप्तानी करने के साथ आने वाली जिम्मेदारी के बारे में भी बात की और कहा कि उन्हें टीम को कठिन परिस्थितियों से बाहर निकालने में मजा आता है। 'अगर आप टीम के कप्तान हैं, तो आपको वह जिम्मेदारी और भार उठाना ही चाहिए। तो हां, मुझे ईमानदारी से यह करना अच्छा लगता है। आखिरकार, भगवान दयालु हैं और उन्होंने ही मुझे ये रन दिए हैं,' उन्होंने आगे कहा।

हसन नवाज़ का सर्वोच्च स्कोर

इससे पहले, हसन नवाज़ ने पाकिस्तान ए के लिए 79 रन बनाकर सर्वोच्च स्कोर किया, जबकि माज़ सदाकत (59) और फरहान यूसुफ (56) ने महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाकर अपनी टीम को 313 रन पर ऑल आउट होने तक पहुंचाया। इसके बाद पाकिस्तान के गेंदबाजों ने मैच का समापन करते हुए तिलक के शतक के बावजूद भारत ए को 48 रन से हरा दिया।

सिराज को बाहर रखना मेरे लिए भी मुश्किल फैसला था

मैच से पहले उनसे बात की थी: शुभमन गिल

वेलिंगटन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बेसिन रिजर्व में खेला गया पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहा। डेरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स की जुझारू पारियों के दम पर न्यूजीलैंड पहले टेस्ट में हार को टालने में सफल रहा। मैच के बाद भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने मोहम्मद सिराज को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने का कारण बताया। गिल ने कहा, 'हमने इस मैच के लिए सबसे बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण को मैदान में उतारा। सिराज एक शानदार खिलाड़ी और बेहतरीन गेंदबाज हैं, जिन्होंने भारत के लिए बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। मगर इन सबसे बढ़कर, वह मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। हमने एक साथ अपने करियर की शुरुआत की थी, भारत के लिए खेलने से पहले से ही हम बहुत अच्छे दोस्त रहे हैं। इसलिए उन्हें बाहर रखना मेरे लिए भी एक बहुत मुश्किल फैसला था। हालांकि, कभी-कभी आपको यह देखना पड़ता है कि कौन से गेंदबाज फॉर्म में हैं और कौन सबसे अच्छी गेंदबाजी कर रहा है। ' दरअसल, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की मौजूदा चक्र में मोहम्मद सिराज भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं। यही वजह है कि जब पहले टेस्ट के लिए उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं दी गई, तो टीम मैनेजमेंट के इस फैसले की जमकर आलोचना हुई। गिल ने वेलिंगटन टेस्ट के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिराज को अंतिम ग्यारह में जगह न देने को लेकर सफाई दी। भारतीय कप्तान ने आगे कहा, 'मेरी उनसे (सिराज) बात हुई थी। मैंने मैच से पहले ही उन्हें बता दिया था कि वह इस मैच में नहीं खेल रहे हैं। मुझे नहीं पता कि वह इससे पूरी तरह सहमत थे या नहीं, लेकिन उन्होंने बात को समझा और इसके पीछे का तर्क भी समझ गए। उन्हें समझ आ गया कि हमने उनकी जगह किसी और को क्यों चुना। मुझे लगता है कि हर खिलाड़ी के करियर या जीवन में एक ऐसा दौर आता है जब वह हमेशा अपने करियर के शिखर पर नहीं होता। मेरे हिसाब से वह इस बात को समझते हैं।



मैनचेस्टर यूनाइटेड के कार्यकाल की भयावह शुरुआत के बाद पोचेटिनो ने योरो को मिले रेड कार्ड पर सवाल उठाए



नई दिल्ली। मैनचेस्टर यूनाइटेड के मैनेजर के रूप में मॉरीसियो पोचेटिनो के लिए इससे मुश्किल शुरुआत शायद ही हो सकती थी। लेनी योरो को शुरुआती ही रेड कार्ड मिलने से लिवरपूल के खिलाफ 4-0 की करारी हार का रास्ता साफ हो गया। अर्जेंटीना के इस कोच का मानना ??था कि इस रेड कार्ड ने पूरे मैच का रुख बदल दिया, और उनका तर्क था कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम भी ऐसी परिस्थितियों में इसी तरह की हार का सामना कर सकती थी। आठवें मिनट में ही योरो को एलेक्जेंडर इसाक पर किए गए फाउल के लिए रेड कार्ड दिखाए जाने के बाद यूनाइटेड की टीम 10 खिलाड़ियों तक सीमित हो गई और इसके ठीक पांच मिनट बाद ही लिवरपूल ने 2-0 की बढ़त बना ली। मैच के बाद पोचेटीनो ने इस फैसले पर निराशा व्यक्त की और सवाल उठाया कि क्या रेड कार्ड दिखाना उचित था। 'यह बहुत दुखद है, मैं बहुत निराश महसूस कर रहा हूँ। यह अविश्वसनीय है कि प्रीमियर लीग में मेरी यात्रा की शुरुआत ऐसे हालातों में हो रही है। एकमात्र समस्या यह है कि मैच छह मिनट बाद पूरी तरह से बदल गया, और अब हम बात कर सकते हैं और सब कुछ समझा सकते हैं, लेकिन नुकसान तो हो ही चुका है। ' 'यह बेहद दर्दनाक है। खिलाड़ी इस तरह की स्थिति का दर्द महसूस करते हैं। मैंने उनसे कहा कि उन्हें शांत रहना होगा, और जो कुछ हुआ वह पूरी तरह से अन्यायपूर्ण स्थिति थी।

पोचेटीनो ने योरो की बर्खास्तगी पर सवाल उठाए

पोचेटीनो ने तर्क दिया कि इसाक को गोल करने के स्पष्ट अवसर से वंचित नहीं किया गया था, उन्होंने जोर देकर कहा कि गेंद पहले से ही गोलकीपर की ओर जा रही थी और योरो का स्ट्राइकर को गिराने का कोई इरादा नहीं था। 'गेंद गोलकीपर की ओर जा रही थी। मुझे लगता है कि उस स्थिति में, अगर आप वीएआर चेक करेंगे, तो आप देखेंगे, जैसा कि हम अब कैमरों में देख सकते हैं, कि लेनी योरो का इरादा कभी भी अलेक्जेंडर इसाक को गिराने का नहीं था। ' उन्होंने आगे कहा कि इसाक गिरने से पहले धीमे हो गए थे, और उनका मानना था कि इस घटना के लिए रेड कार्ड देना उचित नहीं था। पोचेटिनो ने कहा कि वह अधिकारियों का सम्मान करते हैं, लेकिन अपनी टीम का बचाव करना और अपने विचार

'सर्वश्रेष्ठ टीम भी 4-0 से हार सकती है'

मैच के बाद उनकी प्रतिक्रिया में रेड कार्ड का मुद्दा हावी रहा, लेकिन पोचेटीनो ने यह भी स्वीकार किया कि यूनाइटेड को अपने प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेनी होगी। उन्होंने खिलाड़ियों से बेहतर एकाग्रता और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने का आह्वान किया और माना कि उनके खिलाड़ियों को कुछ क्षेत्रों में सुधार करने की आवश्यकता है। लेकिन उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इतनी जल्दी मिली हार से उबरना कितना मुश्किल होता है, यहां तक कि उच्चतम स्तर की टीम के लिए भी। 'अगर दुनिया की सबसे अच्छी टीम भी इस तरह से, हमारी परिस्थितियों में खेलती, तो शायद चार गोल या उससे भी ज्यादा गोल खा लेती। और अब हम क्या कहेंगे? ' पोचेटीनो ने जोर देकर कहा कि उनके खिलाड़ियों ने मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद संघर्ष जारी रखा, लेकिन इस हार ने उनके सामने एक तत्काल चुनौती खड़ी कर दी है। यूनाइटेड के पास परिणाम पर विचार करने के लिए ज्यादा समय नहीं है, क्योंकि बुधवार को चैंपियंस लीग में स्पोर्टिंग के खिलाफ मैच है, जिसके बाद शनिवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में ब्रेंटफोर्ड के खिलाफ प्रीमियर लीग का मुकाबला है। 2 दिसंबर को न्यूकैसल का दौरा भी है, जिससे एक ऐसी टीम के लिए मैचों का यह दौर काफी चुनौतीपूर्ण हो जाता है जो अपने सीजन को पलटने के लिए बेताब है।

'नो हैंडशेक' के पीछे बड़े मुद्दे हैं

एमसीसी हेड ऑफ क्रिकेट बोले इन पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं

शारजाह। मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने माना है कि जब राजनीति शामिल हो, तो खिलाड़ियों को हैंडशेक (हाथ मिलाने) से बचने से रोकना उनके बस में नहीं है, भले ही वे 'स्पिरिट ऑफ क्रिकेट' (खेल की भावना) को बचाए रखना चाहते हों। क्रिकेट में हैंडशेक न करने का मुद्दा मुख्य रूप से भारत-पाकिस्तान मैचों से जुड़ा है। अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद से टॉस के समय या मैच के बाद पारंपरिक रूप से हाथ मिलाने की प्रक्रिया को छोड़ देना एक आम बात हो गई है। हालांकि हैंडशेक खेल भावना का एक पारंपरिक प्रतीक है, लेकिन आईसीसी के नियमों के अनुसार यह अनिवार्य नहीं है। भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच हैंडशेक न करने के मामले पुरुषों, महिलाओं और विभिन्न आयु वर्गों के मैचों में देखी गई हैं। इसमें रविवार को दोहा में भारत-ए और पाकिस्तान-ए के बीच खेला गया एसीसी मेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स मैच भी शामिल है। जब एमसीसी के हेड ऑफ क्रिकेट फ्रेजर स्टीवर्ट से पूछा गया कि क्या खिलाड़ियों के हाथ मिलाने से इनकार करने पर खेल भावना को बनाए रखना मुश्किल होता जा रहा है, तो उन्होंने जवाब दिया कि बड़े राजनीतिक मुद्दे कहीं अधिक अहम होते हैं और वे उनके नियंत्रण से बाहर हैं। शारजाह में आईएलटी20 के दौरान स्टीवर्ट ने कहा, 'मुझे लगता है कि कुछ ऐसी स्थितियां होती हैं जो क्रिकेट से परे होती हैं। ये ऐसे स्तर से आती हैं, जहां भू-राजनीतिक मुद्दों पर बात करना मेरे अधिकार क्षेत्र से बाहर है। ' उन्होंने बताया कि एमसीसी तो यही चाहेगा कि खिलाड़ी आपस में हाथ



मिलाएं, लेकिन उसका अधिकार क्षेत्र केवल खेल के दौरान खिलाड़ियों के व्यवहार तक ही सीमित है। उन्होंने आगे कहा, 'हम केवल मैदान पर होने वाली चीजों को नियंत्रित कर सकते हैं, जैसे खिलाड़ी एक-दूसरे का सम्मान करें, अंपायरों और उनके फैसलों का सम्मान करें, और खेल का सम्मान करें। बस इतना ही हमारे नियंत्रण में है। ' स्टीवर्ट ने आगे कहा कि अगर नेताओं या उच्च स्तर से खिलाड़ियों को हाथ न मिलाने का आदेश दिया जाता है, तो एमसीसी इसमें दखल देकर उसे बदल नहीं सकता। उन्होंने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, 'अगर ऊपर से हैंडशेक न करने के आदेश आते हैं, तो एमसीसी उसे नियंत्रित नहीं कर सकता। हम तो यही चाहेंगे कि खिलाड़ी हाथ मिलाएं, लेकिन हम समझते हैं कि इसके पीछे बड़े मुद्दे हैं, जो हमारे नियंत्रण से पूरी तरह बाहर हैं। '

'इस ट्रॉफी को पाने के लिए मैंने बहुत मेहनत की थी'

एटीपी फाइनल्स का खिताब जीतने के बाद बोले अल्काराज

ट्यूरिन। कार्लोस अल्काराज ने अपनी पहली एटीपी फाइनल्स जीत को एक बेहद निजी उपलब्धि बताया। रविवार को ट्यूरिन में हुए चैंपियनशिप मैच में अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-2, 7-6(6) से हराने वाले अल्काराज ने इस मुश्किल सीजन में अपनी मदद के लिए अपने परिवार और सपोर्ट स्टाफ को श्रेय दिया। 23 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी ने बिना कोई मैच हारे अपनी पहली 'ईयर-एंड चैंपियनशिप' (साल के अंत की चैंपियनशिप) जीती। उन्होंने कहा कि यह जीत सिर्फ एक खिताब जीतने से कहीं बढ़कर है, खासकर तब जब इस ट्रॉफी को पाने के सफर में उन्हें शारीरिक परेशानियों और मानसिक दबावों का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, 'यह जीत बहुत खास है। यह जीत मेरे लिए, मेरी टीम और मेरे परिवार के लिए सब कुछ है। वे जानते हैं कि मैंने इस पल, इस ट्रॉफी और इस टूर्नामेंट के लिए कितनी मेहनत की है। मैंने इस ट्रॉफी को उठाने के लिए कितनी कड़ी मेहनत की है। इसलिए, आखिरकार यहां इस ट्रॉफी को उठा पाना, एक अद्भुत एहसास है जो मैं अभी महसूस कर रहा हूं। ' एटीपी के अनुसार, मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में अल्काराज ने कहा, 'सच कहूं तो, इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि मैंने, मेरी टीम और मेरे करीबी लोगों ने इस हफ्ते क्या कुछ हासिल किया है। उनके बिना, इस ट्रॉफी को उठाना मुमकिन नहीं होता। ' मैच के आखिरी पॉइंट के बाद ही अल्काराज की भावनाएं साफ



झलक रही थीं। वह कोर्ट पर ही गिर पड़े और फिर अपनी टीम के सदस्यों को गले लगाया। अल्काराज के लिए यह जश्न और भी खास था, क्योंकि उन्होंने बताया कि इस उपलब्धि पर अपने परिवार की प्रतिक्रिया देखकर यह पल और भी यादगार बन गया। अप्रैल में बार्सिलोना एटीपी 500 टूर्नामेंट के दौरान कलाई में चोट लगने के कारण स्पेन के इस खिलाड़ी को चार महीने से ज्यादा समय तक खेल से दूर रहना पड़ा। चोट से उबरने और वापस टूर पर लौटने के लिए उन्हें कोर्ट के बाहर काफी सपोर्ट की जरूरत थी। अल्काराज का मानना है कि इसी सपोर्ट ने उनका आत्मविश्वास वापस लाने और उनमें फिर से प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता जगाने में अहम भूमिका निभाई।

अल्काराज का इंतजार खत्म

अल्काराज ने कहा, 'यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जिसे मैं हमेशा से जीतना चाहता था। मैं लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रहा था। जब मैंने इसे हासिल किया, तो मुझमें और मेरी टीम में भावनाओं का सैलाब आ गया। मैं उन्हें देख रहा था—वे चिल्ला रहे थे, जश्न मना रहे थे, वे सब कुछ थे। मेरी मां रो रही थीं। वह काफी भावुक इंसान हैं।' 'उन्हें वहां देखकर, उनके साथ जश्न मनाना और उन्हें गले लगाना- यह सब बहुत शानदार था। मेरे लिए पिछले दो हफ्ते बहुत मुश्किल रहे—दबाव को संभालना, शारीरिक समस्याओं से निपटना, टीम मीटिंग करना, बहुत कठिन फैसले लेना, और कोर्ट के अंदर व बाहर खुद पर काबू रखना।'

जनदर्शन कार्यक्रम में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने आमजन की समस्याएं सुनीं, निराकरण के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले जनदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टरेट में जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं।

जनदर्शन के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न मांगों, शिकायतों एवं समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर एवं समक्ष बुलाकर प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कई प्रकरणों का समाधान मौके पर ही किया गया।

आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से



संबंधित कुल 42 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों का प्राथमिकता से निराकरण किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य आवेदनों को समय-सीमा (टीएल) पंजी में दर्ज कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। जनदर्शन में निराश्रित एवं वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, बैटरी चालित ट्रायसायकल, प्रधानमंत्री आवास योजना, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदकों को उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

शासकीय आईटीआई बेरला में 5वां कौशल दीक्षांत समारोह, प्रशिक्षणार्थियों को मिला व्यवसाय प्रमाण-पत्र

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बेरला में कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशिक्षण महानिदेशालय तथा संचालनालय, रोजगार एवं प्रशिक्षण, छत्तीसगढ़ के दिशा-निर्देशानुसार 5 वां कौशल दीक्षांत समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम संस्था प्रमुख एसके साहू की अध्यक्षता एवं कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विशाल देशलहरे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में कामदेव वर्मा उपस्थित रहे।

इस अवसर पर संस्था के इलेक्ट्रिशियन, फिटर, वेल्डर, कोपा एवं मैकेनिक डीजल व्यवसाय के कुल



65 उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को अतिथियों के करकमलों द्वारा राष्ट्रीय व्यवसाय प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। साथ ही प्रत्येक व्यवसाय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशस्ति-पत्र एवं अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि विशाल देशलहरे ने सभी उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तकनीकी कौशल आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और कुशल युवा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। समारोह में संस्था के समस्त स्टाफ एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

खास खबर

पीएम-जनमन योजना से पीवीटीजी परिवारों के घरों में पहुंची सौर ऊर्जा की रोशनी



नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

पीएम-जनमन योजना से पीवीटीजी परिवारों के घरों में पहुंची सौर ऊर्जा की रोशनीदूरस्थ वनांचल में रहने वाले विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) के परिवारों तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए पीएम-जनमन योजना के तहत लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) द्वारा कबीरधाम जिले के बोड़ला और पंडरिया विकासखंड के दूरस्थ गांवों में सोलर होम लाइटिंग सिस्टम के माध्यम से जनजातीय परिवारों के घरों को रोशन किया गया है। सौर ऊर्जा से घरों में रोशनी मिलने से इन परिवारों के दैनिक जीवन में सुविधा बढ़ी है।

क्रेडा द्वारा बोड़ला विकासखंड के ग्राम सौरू में 46, महाराजपुरडीह में 11, बदौरा में 18, बोल्दा में 05 तथा चौराहा में 01 परिवार को सोलर होम लाइटिंग सिस्टम से लाभान्वित किया गया है। इसी प्रकार पंडरिया विकासखंड के ग्राम अजवाइनवाह में 02, सेजाडीह में 12 तथा छिन्दिडीह में 01 परिवार के घरों में सौर ऊर्जा आधारित प्रकाश व्यवस्था स्थापित की गई है। इस तरह दोनों विकासखंडों के कुल 96 जनजातीय परिवारों को सोलर होम लाइटिंग सिस्टम का लाभ मिला है।

घरों में रोशनी से पढ़ाई और घरेलू कामकाज में मिली सुविधा : दूरस्थ वनांचल के कई गांवों में बिजली की पारंपरिक व्यवस्था पहुंचना कठिन होता है। ऐसे में सोलर होम लाइटिंग सिस्टम जनजातीय परिवारों के लिए उपयोगी साबित हो रहा है। घरों में रोशनी उपलब्ध होने से बच्चों को शाम और रात के समय पढ़ाई करने में सुविधा मिल रही है। परिवार के सदस्य भी घरेलू कामकाज आसानी से कर पा रहे हैं। रात के समय घर के भीतर और आसपास रोशनी रहने से दैनिक गतिविधियों में सहूलियत हुई है।

स्वच्छ ऊर्जा से गांवों में हो रहा बदलाव : सौर ऊर्जा से घरों को रोशन करने की यह पहल दूरस्थ क्षेत्रों में स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा दे रही है। पीएम-जनमन योजना के माध्यम से पीवीटीजी परिवारों तक बिजली जैसी आवश्यक सुविधा पहुंचने से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। क्रेडा द्वारा सोलर होम लाइटिंग सिस्टम के माध्यम से किए जा रहे विद्युतीकरण से वनांचल के उन परिवारों को लाभ मिल रहा है, जहां बिजली की सुविधा पहुंचाना चुनौतीपूर्ण रहा है। घरों में सौर ऊर्जा से रोशनी मिलने से जनजातीय परिवारों को दैनिक जीवन में राहत मिली है।

स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में 25 पदों पर भर्ती के लिए दस्तावेज सत्यापन कल, काउंसलिंग 27 को

खैरागढ़। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के छह स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में 25 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए आयोजित कंप्यूटर आधारित परीक्षा का परिणाम जारी हो गया है। राज्य स्तर पर प्रकाशित विषयवार मेरिट सूची के अनुसार अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का भौतिक सत्यापन 25 नवंबर को सुबह 10 बजे से सेजेस कन्या खैरागढ़ में होगा। विद्यालय चयन के लिए काउंसलिंग 27 नवंबर को इसी स्थल पर सुबह 10 बजे से होगी।

जिला शिक्षा अधिकारी उपेंद्र कुमार देवांगन ने बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय, नवा रायपुर ने सहायक शिक्षक के 13, शिक्षक के 6, व्याख्याता के 3, सहायक शिक्षक (प्रयोगशाला) के 2 और प्रधान पाठक (प्राथमिक) के 1 पद के लिए परीक्षा आयोजित की थी। मेरिट सूची में शामिल अभ्यर्थियों को सत्यापन के लिए अपने मूल प्रमाण पत्र, अंकसूचियां और चयन के लिए मांगे गए अन्य सभी आवश्यक दस्तावेज साथ लाने होंगे। इन दस्तावेजों की छायाप्रतियों के दो सेट और दो फोटोग्राफ भी लाना अनिवार्य है। काउंसलिंग के दिन विद्यालयवार रिक्त पदों की सूची प्रोजेक्टर पर प्रदर्शित की जाएगी। अभ्यर्थी मेरिट क्रम के अनुसार उपलब्ध पदों में से अपने लिए विद्यालय का चयन करेंगे और सहमति पत्र देंगे। एक बार विद्यालय चुनने के बाद उसमें बदलाव का अवसर नहीं मिलेगा। काउंसलिंग के बाद कलेक्टर के अनुमोदन से पात्र चयनित अभ्यर्थियों के नियुक्ति आदेश जारी किए जाएंगे। जिला शिक्षा अधिकारी ने अभ्यर्थियों से निर्धारित तिथि और समय पर उपस्थित होने को कहा है। दस्तावेज सत्यापन या काउंसलिंग में अनुपस्थित रहने की जिम्मेदारी संबंधित अभ्यर्थी की होगी।

संत गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर हिंदू जागरण मंच ने किया भव्य शोभायात्रा का स्वागत

शहर के वातावरण में धार्मिक आस्था, श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सिख धर्म के प्रथम गुरु एवं महान संत गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर राजनांदगांव शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा का हिंदू जागरण मंच जिला राजनांदगांव के कार्यकताओं द्वारा तिरंगा चौक, गंज लाइन में आत्मीयता एवं उत्साह के साथ भव्य स्वागत किया गया।

इस अवसर पर हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए गुरु नानक देव जी के प्रति अपनी श्रद्धा एवं सम्मान प्रकट किया। स्वागत स्थल पर कार्यकर्ताओं द्वारा उत्साहपूर्वक जयकारे लगाए गए। पूरे वातावरण में धार्मिक आस्था, श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने गुरु नानक देव जी के जीवन, उनकी शिक्षाओं तथा मानवता को दिए गए संदेश को स्मरण करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प व्यक्त किया। गुरु नानक देव जी ने समाज को प्रेम, सेवा, समानता, सद्भाव और मानव कल्याण का संदेश दिया। उनकी शिक्षाएं आज भी समाज को एकता और भाईचारे के सूत्र में बांधने का कार्य करती हैं। तिरंगा चौक एवं गंज लाइन में हिंदू जागरण मंच द्वारा किए गए स्वागत से शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं में भी हर्ष का वातावरण रहा। कार्यकर्ताओं ने श्रद्धापूर्वक जयकारों के साथ शोभायात्रा का अभिनंदन किया।

इस अवसर पर हिंदू जागरण मंच के सुशील लड्ढा, राजा गुप्ता, हरीश भानुशाली, जुगल गुप्ता, मनोज गोलछा, ऋषभ मल्ल, नीलू साहू, चंद्रेश जैन, आशीष सोनी, राजेश श्रीवास, भव्य देवांगन, राकेश श्रीवास, आयुष गोखले, गोविंद गुप्ता, राजवहादुर सिंह एवं आशीष तिवारी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक समरसता, आपसी सद्भाव और एकता का संदेश दिया।



विधानसभा अध्यक्ष, सांसद और महापौर सहित निगम पदाधिकारियों ने प्रकाश पर्व पर दी शुभकामनाएं



गुरु नानक देव के जन्मदिवस प्रकाश पर्व के अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. रमन सिंह, सांसद संतोष पाण्डेय और महापौर मधुसूदन यादव ने सिख समाज सहित नागरिकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस पावन पर्व पर सभी के जीवन में सुख-समृद्धि, शांति और स्नेह की कामना की।

अपने शुभकामना संदेश में उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव के रूप में धरती पर ऐसे महान संत का अवतरण हुआ, जिनके सत्य, प्रेम, सद्भावना और भाईचारे के सिद्धांत आज भी मानव समाज के लिए उतने ही प्रासंगिक और मार्गदर्शक हैं। उनके विचार समाज को एकता, प्रेम और आपसी सौहार्द का संदेश देते हैं।

निगम अध्यक्ष टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, निगम आयुक्त जी .आर. मरकाम, नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले, महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य सावन वर्मा, सुनील साहू, राजेश जैन रानू, बिना ध्रुव, शैंकी बग्गा, आलोक श्रोती, राजा माखीजा, वर्षा शरद सिन्हा, केवरा विजय राय एवं डीलेश्वर प्रसाद साहू ने भी प्रकाश पर्व की बधाई दी।

इसी तरह वरिष्ठ सभापति खेमिना यादव, कनिष्ठ सभापति संदीप बघेल, अपील समिति के सदस्य श्रुति लोकेश जैन, संतोष कुमार साहू, मोहनी बाई एवं सेवक राम उइके सहित पार्षदों और नामांकित पार्षदों ने भी नागरिकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने गुरु नानक देव के संदेशों को आत्मसात कर प्रकाश पर्व को उमंग, उल्लास और उत्साह के साथ मनाने की अपील की।

जिले में अधिक से अधिक मुनगा पौधों का रोपण सुनिश्चित करें - कलेक्टर तुलिका

समय-सीमा की बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश, लंबित प्रकरणों का निर्धारित समय में निराकरण करने कहा

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने हर घर मुनगा अभियान के तहत कबीरधाम जिले में अधिक से अधिक मुनगा पौधों का रोपण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को इस दिशा में कार्ययोजना बनाकर प्रभावी क्रियान्वयन करने को कहा। बैठक में कलेक्टर ने समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए सभी विभाग प्रमुखों को निर्धारित समयावधि में प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर नरेन्द्र पैकरा, आरपी आचला सहित समस्त एसडीएम, तहसीलदार, जिला अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने हर घर मुनगा अभियान को कुपोषण की रोकथाम की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि मुनगा की फली और पत्तियां आयरन, विटामिन एवं कैल्शियम जैसे पोषक तत्वों के अच्छे स्रोत हैं। इनके नियमित उपयोग से पोषण स्तर में सुधार लाने में मदद मिलती है। उन्होंने जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों, छात्रावासों, आश्रमों सहित शासकीय संस्थानों एवं घरों में अधिक से अधिक मुनगा के पौधे लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एवं जिला शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को वन विभाग, उद्यानिकी विभाग और कृषि विज्ञान केंद्र से मुनगा के पौधे प्राप्त कर रोपण के लिए समुचित कार्ययोजना तैयार करने को कहा। साथ ही पौधों के रोपण और उनके संरक्षण पर भी ध्यान देने के निर्देश दिए।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की तैयारियों की समीक्षा : कलेक्टर ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 27 नवंबर को आयोजित होने वाली विशेष ग्राम सभा की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित संबंधित अधिकारियों को ग्राम पंचायत स्तर पर आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने और अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए।

अगले सप्ताह से निर्माण कार्यों की होगी विस्तृत समीक्षा : कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने जिले में संचालित निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि अगले सप्ताह से समय-सीमा की बैठक के बाद निर्माण कार्यों से जुड़े विभागों के कार्यों की अलग से विस्तृत समीक्षा की जाएगी। इसमें लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सहित निर्माण कार्यों से जुड़े सभी विभागों की प्रगति की जानकारी ली जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

समन्वय 2026-27 में विद्यार्थियों ने विज्ञान मॉडल से दिखाई नवाचार की प्रतिभा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

संस्कार सिटी इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक महोत्सव समन्वय 2026-27 का शनिवार को समापन हुआ। अंतिम दिन संभाग स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने विज्ञान और कला से जुड़े मॉडल प्रस्तुत कर अपनी वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और नवाचार का परिचय दिया। विद्यालय परिसर में दिनभर विज्ञान और तकनीकी प्रयोगों को लेकर उत्साह का माहौल रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्या रेखा तिवारी, शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा अतिथियों का तिलक लगाकर एवं बैज पहनाकर स्वागत करने के साथ हुई। प्रदर्शनी के निर्णायक मंडल में व्याख्याता शुभा वर्मा, संस्कार सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन की प्राचार्य डॉ. गुरप्रीत कौर छाबड़ा और संस्कार सिटी कॉलेज ऑफ फार्मेसी के प्राचार्य डॉ.



टी. वर्मा शामिल रहे। निर्णायकों ने विद्यार्थियों के मॉडलों का अवलोकन कर उनकी विषयगत समझ, प्रस्तुति और उपयोगिता के आधार पर मूल्यांकन किया। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने विभिन्न वैज्ञानिक सिद्धांतों को मॉडल के माध्यम से समझाया। उनकी रचनात्मकता और आत्मविश्वास ने निर्णायकों और दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। बड़ी संख्या में पहुंचे पालकों ने भी मॉडल देखे और विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर गायत्री विद्या मंदिर, राजनांदगांव का शोर से बिजली उत्पादन मॉडल और संस्कार सिटी इंटरनेशनल स्कूल का पीजो इलेक्ट्रिक एनर्जी जनरेटर संयुक्त रूप से रहे। द्वितीय स्थान श्री गुरु नानक हायर सेकेंडरी स्कूल के आर्डिनो रडार सिस्टम को मिला। इसी विद्यालय का इलेक्ट्रिक वाहन के लिए वायरलेस चार्जिंग स्टेशन मॉडल तृतीय स्थान पर रहा। सांत्वना पुरस्कार बाल भारती पब्लिक स्कूल के एपएनएसडीजी इन एक्शन और संस्कार सिटी इंटरनेशनल स्कूल के सैफनिक्स आपदा निकासी प्रणाली मॉडल को दिया गया।

महोत्सव के पहले दिन कबड्डी, बास्केटबॉल, ड्राइंग, फेस पेंटिंग और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं हुईं। इनमें करीब 300 विद्यार्थियों ने भाग लिया। दूसरे दिन फैंसी ड्रेस, फैशन शो, सीनियर और जूनियर वर्ग के नृत्य प्रदर्शन के साथ बालक-बालिका वर्ग की वॉलीबॉल और खो-खो प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने खेल और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी बहुआयामी प्रतिभा दिखाई।

तीसरे दिन विज्ञान प्रदर्शनी के साथ विद्यार्थियों को अपनी वैज्ञानिक और नवाचारी सोच प्रस्तुत करने का मंच मिला। विजेताओं के साथ सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की गई। विद्यालय के प्रबंधक आदित्य अग्रवाल, अतुल देशलहरा, ऊहा अग्रवाल और प्राचार्या रेखा तिवारी ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आयोजन में प्रशासक विकास जोशी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के संचालन में शिक्षकों, समिति सदस्यों और स्वयंसेवकों ने सहयोग दिया।

आरोप-प्रत्यारोप

निरीक्षण के लिए मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के प्रवास, डोंगरगांव से मोहला के बीच निर्माणाधीन सड़क की गुणवत्ता का भी लिया जायजा

भ्रष्ट ठेकेदारों की दादागिरी पर सवाल उठाए तो भूपेश बघेल को लगने लगी मिर्ची : भरत वर्मा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के संरक्षण में पनपे भ्रष्ट ठेकेदारों की दादागिरी पर सवाल उठाने पर अब भूपेश बघेल स्वयं तिलमिला उठे हैं। भाजपा के पूर्व प्रदेश महामंत्री एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित के उपाध्यक्ष भरत वर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा जारी वीडियो क्लिप पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने रखी है। उन्होंने कहा कि उनका आक्रोश किसी व्यक्ति विशेष के विरुद्ध नहीं, बल्कि उन भ्रष्ट और दबंग ठेकेदारों के खिलाफ है, जो जनता की गाढ़ी कमाई से बन रही सड़कों में गुणवत्ता की धज्जियां उड़ाकर सरकार की छवि खराब करने में लगे हैं।

भरत वर्मा ने बताया कि 20 नवंबर, शुक्रवार को खराब मौसम के बावजूद वे धान खरीदी केंद्रों



के निरीक्षण के लिए मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के प्रवास पर थे। इसी दौरान डोंगरगांव से मोहला के बीच निर्माणाधीन सड़क की गुणवत्ता का भी उन्होंने जायजा लिया। लगभग 300 करोड़ रुपये की लागत से बन रही इस सड़क में निर्माण के निर्धारित मानकों की खुलेआम अनदेखी दिखाई दी। सड़क में न तो मानक के अनुरूप गिट्टी और बजरी का इस्तेमाल नजर आया और न ही किनारों पर बनाए जाने वाले सोल्डर का उचित निर्माण किया गया। कई स्थानों पर सोल्डर में मिट्टी भरकर औपचारिकता निभाई गई है। हालत यह है कि यह सड़क मामूली बारिश में मिट्टी पलीद हो गई है। यही हाल बालोद-दल्ली राजहरा-मानपुर-मोहला मार्ग का भी है जो सड़क निर्माण के महज तीन महीने के भीतर ही बदहाल होने लगी है और मामूली बारिश ने निर्माण की गुणवत्ता की पोल खोल दी है।

उन्होंने कहा कि इस सड़क की गुणवत्ता और ठेकेदार की मनमानी को लेकर क्षेत्र की जनता एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से लगातार शिकायतें मिल रही हैं। निर्माणाधीन सड़क अब तक करीब दो दर्जन लोगों की जान ले चुकी है तथा कई लोग दुर्घटनाओं में घायल हुए हैं। इसके बावजूद ठेकेदार के रवैये में कोई सुधार नहीं आया है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा जब सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठाए जाते हैं तो उन्हें ऊपर तक पहुंच होने और 'जो करना है कर लो' जैसी धमकियां दी जाती हैं।

भरत वर्मा ने बताया कि इसी सिलसिले में कुमदा में उन्होंने ठेकेदार के प्रतिनिधि से सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल किया। लेकिन तकनीकी सवालों का जवाब देने और खामियों को दूर करने के बजाय प्रतिनिधि बड़े अधिकारियों तक पहुंच होने की धौंस दिखाने लगा। यहां तक कि 'जो उखाड़ना है उखाड़ लो' जैसी अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया। लगातार उकसाने और दादागिरी दिखाने के इस रवैये के खिलाफ उन्होंने जनाक्रोश व्यक्त किया।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि सवाल यह है कि आखिर जनता के पैसे से निर्माण हो रहे कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल पूछना क्या अपराध है? क्या कोई ठेकेदार अधिकारियों तक अपनी पहुंच का हवाला देकर जनप्रतिनिधियों और जनता को धमका सकता है? क्या सरकार से ऊपर कोई ठेकेदार हो सकता है? उन्होंने कहा कि जनता के सवालों का जवाब देने के बजाय दबंगई दिखाने वालों को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भरत वर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस शासनकाल में पनपे भ्रष्टाचार और ठेकेदारों की मनमानी की विरासत को अब भाजपा की सुशासन सरकार पर थोपने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस काल में जन्मे भ्रष्ट तंत्र के इन ठेकेदारों को यह समझ लेना चाहिए कि वे अपनी मनमानी से जनता की जान और सरकारी धन दोनों से खिलवाड़ नहीं कर सकते। सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार और गुणवत्ता से समझौता किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जनता की पाई-पाई से बन रही 300 करोड़ रुपये की सड़क को भ्रष्टाचार की भेंट नहीं चढ़ने देंगे। यदि निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप सड़क निर्माण नहीं कराया गया और गुणवत्ता में तत्काल सुधार नहीं हुआ तो वे क्षेत्र की जनता एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ मुख्यमंत्री से शिकायत करेंगे और ठेकेदार के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग करेंगे। भरत वर्मा ने दो टूक कहा कि ठेकेदार अपनी पहुंच और रसूख का कितना भी दंभ भर लें, जनता के अधिकारों और उनकी जान से खिलवाड़ करने की छूट किसी को नहीं है। सड़क जनता के लिए बन रही है, ठेकेदारों की जेब भरने के लिए नहीं।

चट्टानों, वनभूमि और मौसम की चुनौतियों के बीच तैयार हुआ केशकाल का 132 केवी उपकेंद्र, मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

35 करोड़ की लागत से जामगांव में निर्मित उपकेंद्र से 185 गांवों के 52 हजार उपभोक्ताओं को मिलेगा लाभ





नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और निर्माण संबंधी कई चुनौतियों के बीच तैयार किए गए 132/33 केवी उपकेंद्र केशकाल का मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने लोकार्पण किया। कोंडागांव जिले के ग्राम पंचायत जामगांव में 35 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस उपकेंद्र से केशकाल क्षेत्र के 185 गांवों के लगभग 52 हजार बिजली उपभोक्ताओं को बेहतर वोल्टेज और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी की पूंजी निवेश योजना के अंतर्गत स्वीकृत इस उपकेंद्र की आवश्यकता क्षेत्र में बढ़ती आबादी, विकास गतिविधियों और कृषि विस्तार के कारण महसूस की जा रही थी। क्षेत्र में कम वोल्टेज और अनियमित विद्युत आपूर्ति की समस्या के समाधान के लिए परियोजना तैयार की गई। वनभूमि डायवर्जन की अनुमति की प्रक्रिया के बाद भारत सरकार से दिसंबर 2024 में निर्माण की अनुमति प्राप्त हुई। इसके बाद 17 अप्रैल 2025 को भूमिपूजन किया गया।

चट्टानों, ईंधन संकट और बारिश से आई बाधा

उपकेंद्र निर्माण के दौरान स्थल पर बड़ी-बड़ी चट्टानें मिलने से काम में कठिनाई आई। प्रशासन के सहयोग से रासायनिक विस्फोटकों और भारी मशीनों की मदद से चट्टानों को हटाया गया। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण ईंधन संकट और भारी बारिश ने भी निर्माण कार्य को प्रभावित किया। इसके अलावा ट्रांसफार्मर की आपूर्ति में विलंब होने पर कंपनी ने दूसरे उपकेंद्र के लिए स्वीकृत ट्रांसफार्मर को यहां स्थापित कर परियोजना को पूरा किया। साथ ही 132 केवी की लाइन और 132 केवी कोण्डागांव-कांकेर लाइन को लीलो (लाइन इन लाइन आउट) कर 0.3 किलोमीटर मल्टी सर्किट तैयार की गई, इस लाइन का कार्य केवल डेढ़ माह के अल्प समय में पूरा किया गया। 13 नवंबर 2026 को कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला की उपस्थिति में उपकेंद्र का सफल परीक्षण कर उसे ऊर्जीकृत किया गया।

इस उपकेंद्र से केशकाल, बटराली, विश्रामपुरी, बांसकोट, अडेंगा, बड़ेराजपुर, गरका और धनोरा सहित आसपास के क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। यहां से विभिन्न 33 केवी उपकेंद्रों के माध्यम से 185 गांवों के करीब 52 हजार उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति की जाएगी। इससे क्षेत्र में वोल्टेज की समस्या कम होगी और बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार आएगा। लोकार्पण समारोह में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और क्षेत्र के हितग्राहियों ने इस महत्वपूर्ण विद्युत अधोसंरचना के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा मंचस्थ अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

आतंकी, हत्यारा और उपद्रवी : छग वन विभाग की मीडिया एडवाइजरी को मिला अंतरराष्ट्रीय शोधपत्र में स्थान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



छत्तीसगढ़ वन विभाग द्वारा जारी मीडिया एडवाइजरी को अंतरराष्ट्रीय शोधपत्र में स्थान मिला है। मानव-हाथी संघर्ष की मीडिया रिपोर्टिंग पर आधारित यह शोधपत्र आंकड़ा विज्ञान एवं आंकड़ा प्रबंधन पर संयुक्त अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2026 में स्वीकृत हुआ है। यह छत्तीसगढ़ वन विभाग के लिए बड़ी उपलब्धि और वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में राज्य की पहल को मिली अकादमिक मान्यता है।

वन विभाग की एडवाइजरी में मीडिया से आग्रह किया गया है कि हाथियों के लिए आतंकी, उत्पाती, हत्यारा, हिंसक, पागल, बिगड़ैल, जिद्दी तथा मौत के घाट उतारने जैसे कठोर और सनसनीखेज शब्दों का प्रयोग न किया जाए। शोधपत्र में इस एडवाइजरी का संदर्भ के रूप में शामिल होना इस बात का संकेत है कि वन्यजीव संरक्षण में केवल मैदानी प्रयास ही नहीं, बल्कि समाज और मीडिया की सोच को सकारात्मक बनाने वाली पहल भी महत्वपूर्ण है।

आईआईटी पालक्काड के शोधकर्ताओं का शोधपत्र : आईआईटी पालक्काड, केरलम के शोधकर्ताओं द्वारा तैयार एक भारतीय अंग्रेजी समाचार पत्र में मानव-हाथी संघर्ष की समाचार कवरेज का विश्लेषण शीर्षक वाला यह शोधपत्र आंकड़ा विज्ञान एवं आंकड़ा प्रबंधन पर एसीएम इंडिया के संयुक्त अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2026 में स्वीकार किया गया है। इसके लेखक हैं बोनाला साई पुनीत, सालवेरु जयति, गरिमा शाक्य और शुभम कुमार निगम। इनमें पहले तीन लेखक आईआईटी पालक्काड से तथा चौथे लेखक बर्मिंघम विश्वविद्यालय, दुबई से जुड़े हैं। सम्मेलन का आयोजन 13 से 16 दिसंबर 2026 तक धीरूभाई अंबानी विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात में होगा।

अध्ययन का निष्कर्ष : बिना मौत के भी नकारात्मक शब्द : अध्ययन में पाया गया कि हाथियों से संबंधित समाचारों में भय पैदा करने वाली और आक्रामकता दर्शाने वाली भाषा का काफी इस्तेमाल होता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इस तरह की सनसनीखेज भाषा हाथियों के प्रति लोगों में नकारात्मक धारणा और शत्रुता बढ़ा सकती है तथा मानव-हाथी सह-अस्तित्व के प्रयासों को कमजोर कर सकती है। खास बात यह है कि 17.2 प्रतिशत समाचारों में किसी मृत्यु अथवा जनहानि का उल्लेख नहीं था, फिर भी उनमें हाथियों के लिए नकारात्मक शब्दों का प्रयोग किया गया था।

सिंघवी का उल्लेख, पहल पर जारी हुई थी एडवाइजरी : लेखकों ने अपने विशेषज्ञ ज्ञान को साझा करने के लिए रायपुर निवासी वन्यजीव प्रेमी नितिन सिंघवी के प्रति आभार व्यक्त किया है। शोधपत्र में लिखा है - लेखक वन्यजीव प्रेमी नितिन सिंघवी के प्रति अपने विषय संबंधी विशेषज्ञ ज्ञान को साझा करने के लिए कृतज्ञता से आभार व्यक्त करते हैं।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021 में भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने देशव्यापी एडवाइजरी जारी कर सभी राज्यों से कहा था कि वे मीडिया को हाथियों के संबंध में कठोर और नकारात्मक भाषा का प्रयोग न करने की सलाह दें। इसके बाद छत्तीसगढ़ वन विभाग ने भी 2024-25 में इस संबंध में एडवाइजरी जारी की। दोनों ही एडवाइजरी नितिन सिंघवी की पहल पर जारी हुई थीं। सिंघवी ने लगातार यह मुद्दा उठाया था कि हाथियों के लिए आतंकवादी, हत्यारा और उपद्रवी जैसे शब्दों का प्रयोग उनकी प्राकृतिक व्यवहारगत परिस्थितियों को गलत ढंग से प्रस्तुत करता है।

जीत के संकल्प के साथ मैदान में उतरेंगे कार्यकर्ता, सभी 70 वार्डों में जीत का लक्ष्य

भिलाई नगर निगम चुनाव को लेकर भाजपा की संगठनात्मक बैठक संपन्न, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने दिया बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने और प्रत्येक मतदाता तक पहुंचने का मंत्र



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय जनता पार्टी जिला भिलाई द्वारा आगामी भिलाई नगर निगम चुनाव को लेकर एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने की। बैठक में प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने चुनावी रणनीति, बूथ प्रबंधन, जनसंपर्क और कार्यकर्ताओं की भूमिका पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर चुनावी मैदान में उतरने और भिलाई नगर निगम में भाजपा का महापौर बनाने के साथ सभी 70 वार्डों में जीत हासिल करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

बैठक में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय, सांसद लक्ष्मी वर्मा, क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, दुर्ग संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्राही, जिला प्रभारी रामजी भारती, प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा, वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, युवा आयोग अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, भिलाई नगर विधानसभा प्रभारी इंद्रजीत सिंह गोल्डी, अहिवारा पूर्व विधायक सांवला राम डाहरे, कवर्धा नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, पूर्व विधायक लाभचंद बाफना, पूर्व हस्तकला बोर्ड अध्यक्ष दीपक साहू, पूर्व विधायक जागेश्वर साहू सहित अनेक वरिष्ठ नेता मंचासीन रहे।

भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र और समाज के व्यापक हित के लिए समर्पित : विजय

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता की विचारधारा राष्ट्र की सुरक्षा, आंतरिक सुदृढ़ता और आधारभूत संरचना के विकास से प्रेरित है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को व्यक्तिगत भ्रम और छोटे मतभेदों से दूर रहकर संगठन के प्रति विश्वास के साथ काम करने की सलाह दी। अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि पीढ़ियां बदल गईं, लेकिन संकल्प नहीं बदला; ठीक इसी प्रकार धैर्य, समर्पण और निरंतर प्रयास से संगठन के बड़े लक्ष्य भी प्राप्त होते हैं। उन्होंने युवा मोर्चा, महिला मोर्चा और सभी प्रकोष्ठों से बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने का आग्रह किया।

हर मतदाता तक पहुंचना ही जीत का आधार : सरोज पांडेय

पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय ने कहा कि पिछले चुनावों में कई वार्ड बहुत कम मतों के अंतर से पराजित हुए थे, इसलिए एक-एक वोट का महत्व समझते हुए घर-घर संपर्क करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने इसे 'कार्यकर्ताओं का चुनाव' बताते हुए कहा कि वरिष्ठ नेता पूरी मजबूती से कार्यकर्ताओं के पीछे खड़े हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा बीएसपी से जुड़े लंबे समय से लंबित महत्वपूर्ण विषयों के समाधान और अन्य जनहितैषी उपलब्धियों को प्रत्येक वार्ड व बूथ तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का आह्वान किया।

आपसी एकजुटता से सभी 70 वार्डों में जीत सुनिश्चित करें : प्रेमप्रकाश

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय ने कहा कि भाजपा ने विधानसभा और लोकसभा चुनावों में जनता का जो अटूट विश्वास हासिल किया है, अब उसे नगरीय निकाय चुनाव में प्रत्येक वार्ड तक पहुंचाने की जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं की है। बूथ समितियों की सक्रियता, शक्ति केंद्रों के बीच बेहतर समन्वय और वार्ड स्तर पर जिम्मेदारियों का निर्वहन ही चुनावी सफलता की कुंजी है।

चुनाव जीतने के लिए बूथ ही सबसे महत्वपूर्ण : कर्मवीर सिंह

प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि भाजपा केवल सत्ता प्राप्ति के लिए काम करने वाला दल नहीं, बल्कि राष्ट्र और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम है। उन्होंने रामायण के प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस प्रकार भगवान श्रीराम ने वनवास के दौरान समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़कर सामूहिक शक्ति का निर्माण किया, उसी प्रकार भाजपा संगठन को भी समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर बूथ स्तर तक मजबूत बनाना होगा।

उन्होंने कहा कि नगर निगम चुनाव सबसे चुनौतीपूर्ण होता है, क्योंकि इसमें मतदाता प्रत्याशी को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं। इसलिए कार्यकर्ताओं को केवल चुनाव के समय ही नहीं, बल्कि वर्षभर जनता के बीच सक्रिय रहकर स्थानीय समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए। आगामी चुनावी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 29 नवंबर : प्रत्येक बूथ पर 'मन की बात' कार्यक्रम। 4 दिसंबर : घरों पर भाजपा ध्वज लगाने का अभियान और 5 से 9 दिसंबर : घर-घर संपर्क अभियान, नुक्कड़ सभाएं और सामाजिक बैठकों के माध्यम से सघन जनसंपर्क।



उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट रहने का आह्वान करते हुए कहा कि "एक-दूसरे के पीछे खड़े रहेंगे तो जीतेंगे, एक-दूसरे के पीछे पड़ेंगे तो विपक्ष जीतेगा।"

सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं कार्यकर्ता : भूपेंद्र सवन्नी

क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी ने कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार द्वारा किए जा रहे ऐतिहासिक विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। कार्यकर्ताओं को पूरी ऊर्जा और आत्मविश्वास के साथ इन उपलब्धियों को प्रत्येक घर तक लेकर जाना होगा।

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि विधानसभा और लोकसभा की तुलना में पार्षद चुनाव अधिक चुनौतीपूर्ण होता है, क्योंकि इसमें मतदाता प्रत्याशी के दैनिक व्यवहार, कार्यशैली और व्यक्तिगत संपर्क के आधार पर अपना निर्णय लेता है।

संगठन पूरी तरह तैयार : पुरुषोत्तम देवांगन

जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने कहा कि भिलाई जिला संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ चुनावी समर के लिए तैयार है। शीर्ष नेतृत्व के मार्गदर्शन में सभी मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ समितियां पूर्ण समन्वय के साथ कार्य करते हुए भिलाई नगर निगम में भाजपा का परचम लहराएंगी।

मंच संचालन मनीष अग्रवाल ने किया और आभार जिला उपाध्यक्ष गोपाल कृष्ण वर्मा ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

22 नवंबर को 3,512 टन हॉट मेटल का उत्पादन, पिछले 3,502 टन के रिकॉर्ड को तोड़ा

ब्लास्ट फर्नेस-6 ने हॉट मेटल उत्पादन का बनाया नया रिकॉर्ड

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस-6 ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन दर्ज करते हुए 22 नवम्बर 2026 को 3,512 टन हॉट मेटल का उत्पादन किया। इस उपलब्धि के साथ फर्नेस ने 2 जुलाई 2025 को दर्ज किए गए अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन 3,502 टन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह उपलब्धि फर्नेस के बेहतर परिचालन प्रदर्शन तथा कार्मिकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।



ब्लास्ट फर्नेस बिरादरी के सदस्यों ने केक काटकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (आयरन) मनोज कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) विवेक वर्मा एवं मुख्य महाप्रबंधक (एसपी) जगेंद्र कुमार सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुख्य महाप्रबंधक (आयरन) मनोज कुमार ने ब्लास्ट फर्नेस-6 के इस सर्वश्रेष्ठ उत्पादन रिकॉर्ड को हासिल करने में योगदान देने वाले सभी कार्मिकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कार्मिकों को इसी प्रकार समर्पित भाव से कार्य करते हुए उत्पादन में निरंतर वृद्धि के लिए प्रोत्साहित किया।

होटल कारोबारी से मारपीट : गोलू रगड़े और उसका चाचा उमेश रगड़े फरार



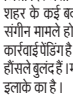

रायपुर। होटल कारोबारी से मारपीट मामले में बदमाश गोलू रगड़े और उसका चाचा उमेश रगड़े फरार हैं। FIR के बाद पीड़ित कारोबारी विजय जेठानी को धमकी दी गई थी। उमेश रगड़े की धमकी देने का ऑडियो सामने आया है। उमेश रगड़े कांग्रेस SC-ST सेल के नेशनल कॉर्डिनेटर हैं। मामले के एक आरोपी अतुल तलमले को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। गोलू और अतुल के खिलाफ पुरानी बस्ती, आजाद चौक समेत कई थानों में संगीन FIR दर्ज है। पुलिस ने अब तक जिलाबदर जैसी कड़ी कार्रवाई नहीं की है। शहर के कई बदमाशों के 20 से ज्यादा संगीन मामले होने के बाद भी जिलाबदर कार्रवाई पेंडिंग है। जिससे गुंडे बदमाशों के हौंसले बुलंद हैं। मामला आजाद चौक थाना इलाके का है।







"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100